RNI-MPHIN/2018/75526

वर्ष-08 | अंक-261 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-

दैनिक कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

भोपाल, गुरूवार 25 जून 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-11, विक्रम संवत् 2083

मानसून एमपी पहुंचा 9 दिन लेट एंट्री

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। मध्य प्रदेश-गुजरात में बुधवार को 9 दिन की देरी से मानसून की एंट्री हुई। दोनों राज्यों में मानसून आने की सामान्य तारीख 15 जून रहती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून अगले 4 दिन में पूरे मध्य प्रदेश को कवर कर सकता है। इसी के साथ मानसून ने अब देश के 22 राज्यों को कवर कर दिया है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है।

4 दिन में पूरा राज्य कवर करेगा; मुंबई में बारिश से पेड़ उखड़े, कई गाड़ियां दबीं

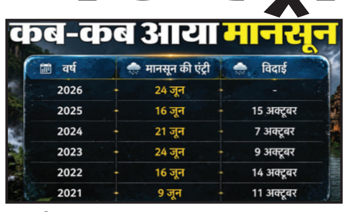

कब-कब आया मानसून

वर्ष	मानसून की एंट्री	विदाई
2026	24 जून	-
2025	16 जून	15 अक्टूबर
2024	21 जून	7 अक्टूबर
2023	24 जून	9 अक्टूबर
2022	16 जून	14 अक्टूबर
2021	9 जून	11 अक्टूबर

भोपाल समेत 42 जिलों में अलर्ट

मानसून की एंट्री के साथ मौसम विभाग ने भोपाल सहित 42 जिलों में तेज हवाओं, गरज-चमक और बारिश की चेतावनी जारी की है। राजधानी भोपाल, रायसेन, सीहोर, इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, धार, खरगोन, बड़वानी, आलीराजपुर, हरदा, नर्मदापुरम, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, सिवनी, रीवा, सिंगरौली, मऊगंज और अन्य जिलों में मौसम सक्रिय रहने का अनुमान है। मानसून आगमन से पहले ही प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां तेज रहीं।

यूपी में बड़ा एक्शन

कई नामी कोचिंग सील, 100 से ज्यादा सेंटर जांच के घेरे में

लखनऊ, एजेंसी

राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग संस्थान में हुए दर्दनाक अग्निकांड ने सभी को झकझोर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशों के बाद प्रदेशभर में कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, होटल, लाइब्रेरी और बहुमंजिला इमारतों की सुरक्षा जांच का व्यापक अभियान शुरू कर दिया गया है। शुरुआती जांच में फायर सेफ्टी, इमरजेंसी एग्जिट, भवन मानकों और पंजीकरण से जुड़ी गंभीर खामियां सामने आई हैं। कई जिलों में कोचिंग संस्थानों को सील किया गया है, जबकि सैकड़ों संस्थान जांच के दायरे में हैं। अलीगंज में हुए अग्निकांड के बाद यह सवाल खड़ा हो गया कि आखिर प्रदेशभर में संचालित हजारों कोचिंग संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा कितनी सुनिश्चित है।

खान ग्लोबल क्लासेज सील

संगम नगरी प्रयागराज में प्रशासन की कार्रवाई सबसे अधिक चर्चा में रही। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने सिविल लाइंस स्थित खान ग्लोबल क्लासेज को सील कर दिया। अधिकारियों के अनुसार जिस भवन में कोचिंग संचालित हो रही थी, उसका नक्शा व्यावसायिक उपयोग के लिए स्वीकृत था, जबकि कोचिंग संस्थान का संचालन सामुदायिक सुविधा श्रेणी में आता है। आवश्यक भू-उपयोग स्वीकृति न होने के कारण कार्रवाई की गई।

खामेनई की अंतिम विदाई में शामिल होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने का निमंत्रण भेजा है। राजनयिक सूत्रों के मुताबिक, यह निमंत्रण ऐसे समय आया है जब खामेनेई के निधन के बाद ईरान में बड़े पैमाने पर श्रद्धांजलि कार्यक्रमों की तैयारी चल रही है।

कई धार्मिक और सरकारी कार्यक्रमों का आयोजन

खामेनेई के सम्मान में 5 से 9 जुलाई के बीच कई धार्मिक और सरकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें 5, 6 और 7 जुलाई को तेहरान और कोम में विशेष समारोह होंगे, जबकि अंतिम श्रद्धांजलि कार्यक्रम 9 जुलाई को मशहद में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी को मिले इस निमंत्रण पर भारत सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि प्रधानमंत्री इस समारोह में शामिल होंगे या नहीं। गौरतलब है कि खामेनेई करीब तीन दशकों तक ईरान के सर्वोच्च नेता रहे। उनका निधन 28 फरवरी को हुआ था। उनके निधन के बाद यह पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय समारोह होगा.

दिल्ली में बच्ची से रेप-हत्या आरोपी को गोली मारी

नई दिल्ली। दिल्ली में 11 साल की बच्ची से रेप और उसकी हत्या का आरोपी मंगलवार रात पुलिस एनकाउंटर में घायल हो गया।पुलिस का दावा है कि उसे क्राइम सीन रीक्रिएट करने के लिए ले जाया जा रहा था, तभी उसने भागने की कोशिश की। रोकने के लिए उसे पैर में गोली मार दी गई। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित बच्ची गुब्बारा बेचती थी। सोमवार सुबह फुटपाथ पर सो रही थी। आरोप है कि टैक्सी ड्राइवर बबलू ने उसे अगवा किया। उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरौली के जंगल में फेंक दी। सोमवार सुबह करीब 6 बजे परिवार ने पीसीआर कॉल के जरिए महरौली थाने में बच्ची की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की मदद से चार घंटे में ही बबलू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद कर लिया। पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

पुलिस का दावा

भागने की कोशिश कर रहा था; अस्पताल में भर्ती

नींद में बच्ची को उठाया, जंगल में ले गया

आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि सड़क से गुजरते समय उसने सीडीआर चौक के पास फुटपाथ पर बच्ची को सोते हुए देखा था। उसने नींद में ही बच्ची को उठाया और कार की पिछली सीट पर लिटाकर महरौली के जंगलों में ले गया, जहां उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित परिवार फुटपाथ पर ही सोता था। बच्ची गुब्बारे बेचती थी, जबकि माता-पिता दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। परिवार में चार बच्चे हैं, जिसमें ये 11 साल की बच्ची भी शामिल थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीरांगना रानी दुर्गावती के 463वें बलिदान दिवस पर कार्यक्रम को जबलपुर में संबोधित किया

अदम्य साहस, अद्वितीय पराक्रम और साहस की मिसाल थीं वीरांगना रानी दुर्गावती : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रानी दुर्गावती, अदम्य साहस, अद्वितीय पराक्रम और साहस की प्रतिमूर्ति थीं। नारी शक्ति का पराक्रम मां दुर्गावती के व्यक्तित्व में नजर आता है। मुगलों को युद्धों में धूल चटाने वाली ऐसी वीरांगना रानी दुर्गावती का आज 463वां बलिदान दिवस है। रानी दुर्गावती ने गौंडवाना साम्राज्य में 52 गढ़ों पर शासन किया। पति की असमय मृत्यु के बाद 5 साल के बेटे को सिंहासन पर बैठाया और 15 साल तक जनता की सेवा के लिए और क्षेत्र की रक्षा के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। मध्यप्रदेश की धरती पर लगभग 500 वर्ष पूर्व रानी दुर्गावती का जन्म हुआ, लेकिन आज पूरा देश और प्रदेश उन्हें आदर के साथ स्मरण करता है। हमारा सौभाग्य है कि प्रदेश सरकार के गठन के बाद मंत्रि-परिषद की पहली बैठक जबलपुर में रानी दुर्गावती को समर्पित कर आयोजित की गई थी। इसके बाद दूसरी कैबिनेट बैठक रानी दुर्गावती के गौंडवाना साम्राज्य की राजधानी संग्रामपुर में आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि जबलपुर एयरपोर्ट का नाम वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर रखने के लिए केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर उनकी समाधि स्थल नर्रई नाला जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

समाधि स्थल पर श्रद्धा सुमन किये अर्पित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम की शुरूआत में ग्राम नर्रई नाला स्थित वीरांगना महारानी रानी दुर्गावती की समाधि स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। शहीद वीर नारायण की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही गौंड समाज के आराध्य देवता बड़ा देव का पूजन-अर्चन भी किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह, विधायक श्री अशोक रोहाणी, श्री सुशील तिवारी इंदू, श्री नीरज सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी, श्रद्धालू और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

किसानों के कल्याण के लिए ठोस निर्णय ले रही है सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए संकल्पित है और पूरा वर्ष किसानों को समर्पित करते हुए ठोस निर्णय ले रही है। अब किसान बंधुओं के लिए शून्य ब्याज दर पर 31 मार्च तक कर्ज चुकाने की बाध्यता खत्म कर दी गई है। किसान जिस तारीख को लोन लेंगे, तब से एक वर्ष की समयावधि में कर्ज चुकाया जा सकेगा। राज्य सरकार 880 करोड़ रुपए का भुगतान वित्तीय संस्थाओं को करेगी। राज्य सरकार पर्यटन, उद्योगों और अधोसंरचना विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

दुर्गावती के नाम पर जल्द एक जू बनने वाला है

मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती के बलिदान स्थल पर आकर गोंडवाना की विशाल पहाड़ियों के बीच उनके बलिदान को स्मरण करता हूं। हमने पहली कैबिनेट बैठक भी यहीं आयोजित की थी।सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने जबलपुर और संग्रामपुर में कैबिनेट बैठकें आयोजित कर उनके योगदान को स्मरण किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही यहां एक जू (चिड़ियाघर) बनने वाला है, जिसका नाम भी रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाएगा।

बैंक फ्रॉड मामला...

नीरव मोदी को 100 करोड़ रुपए से अधिक भुगतान करना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को ब्रिटिश कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब नीरव मोदी को बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश साइमन टिंकलर ने नीरव को व्यक्तिगत गारंटी के तहत देनदार ठहराया। खबरों के मुताबिक नीरव पर 4.1 मिलियन डॉलर (लगभग 38.9 करोड़ रुपये) की मूल राशि बकाया है। बैंक इसमें निर्धारित ब्याज भी जोड़ेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार को (ब्रिटिश टाइम) हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान नीरव या उनके वकील ने अपने बचाव में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया।

कर्ज वापसी की प्रक्रिया क्या होगी?

2018 की शुरुआत में, जब नीरव द्वारा पंजाब नेशनल बैंक में कथित धोखाधड़ी की खबर फैली, तो बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज वापस मांगने का फैसला किया। मार्च और अप्रैल 2018 में फायरस्टार और नीरव को भेजे गए नोटिस का जवाब नहीं मिला। 8 मार्च 2024 को बैंक ऑफ इंडिया ने 4.1 मिलियन डॉलर की मूल राशि और ब्याज के लिए सारांश निर्णय प्राप्त किया।

नीरव ने तर्क दिया था कि गारंटी लागू करने योग्य नहीं थी। उसने बैंक से वैध मांगें कभी प्राप्त नहीं की थीं। बैंक ऑफ इंडिया ने जुलाई 2012 में नीरव की कंपनी फायरस्टार डायमंड एफजेडई को दुबई में कर्ज दिया था।

एअर इंडिया का विमान पाक एयरस्पेस में घुसा

अमृतसर। एअर इंडिया की एक फ्लाइट सोमवार रात रास्ता भटककर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में जा घुसी। इसे पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी ने चेतावनी देकर वापस भेजा। विमान ने दिल्ली से उड़ान भरी थी और इसे अमृतसर लैंड होना था। पाकिस्तान के एयर स्पेस से जब फ्लाइट लौटी तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक बढ़ गया था, ऐसे में इसे वापस दिल्ली भेज दिया गया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया है कि तकनीकी खराबी के कारण यह फ्लाइट रास्ता भटक गई थी। मामले की जांच की जा रही है। इससे पहले 12 जून को पाकिस्तान की भी पैसेंजर फ्लाइट फ्लाई जिन्ना-9Pz14 खराब मौसम के कारण भारतीय एयरस्पेस में घुस आई थी। लाहौर एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद फ्लाइट रास्ता भटक गई थी।

एसआईटी की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी: बड़े पैमाने पर चोरी के संकेत

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट एसआईटी अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद को सौंप दी है। रिपोर्ट में चढ़ावा चोरी से लेकर कमीशनखोरी के खेल उजागर होने की बात कही गई है। मंदिर में कर्मचारियों की नियुक्ति, गणना प्रक्रिया में भी बड़े हेरफेर की आशंका एसआईटी ने जताई है। इनसे संबंधित एक-एक साक्ष्य एसआईटी ने जुटाए हैं। गवाहों का भी जिक्र रिपोर्ट में किया गया है। ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारियों से लेकर उनके रिश्तेदारों, करीबियों और कर्मचारियों की भूमिका पर रिपोर्ट में सवाल खड़े किए गए हैं। एसआईटी में शामिल लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ आईजी रेंज किरण एस और विशेष सचिव वित्त नील रतन मंगलवार सुबह करीब 11 बजे शासन पहुंचे। तीनों अधिकारियों ने गोपनीय जांच रिपोर्ट संजय प्रसाद को दी। गृह विभाग इस रिपोर्ट को मुख्यमंत्री के समक्ष रखेगा। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर सबसे बड़े सवाल उठाए गए हैं। कुछ की भूमिका भी उजागर की गई है। अंदेशा जताया गया है कि वे हेरफेर में शामिल रहे हैं। वहीं, कुछ पदाधिकारियों को लापरवाही का दोषी पाया गया है, जिनकी निगरानी में चढ़ावा चोरी हुआ। फिलहाल मामले में सबसे अधिक जो पदाधिकारी सवालों के घेरे में हैं, उनमें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, अनिल मिश्रा व निर्माण सहायक गोपाल राव का नाम शामिल है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों के रिश्तेदार व करीबियों का भी जांच रिपोर्ट में जिक्र है। खासकर चंपत राय के करीबी टिन्नू यादव, अनिल मिश्रा के रिश्तेदार, गोपाल राव के रिश्तेदार सोम आदि का। अब इन सभी पर जल्द केस दर्ज हो सकता है। वहीं, अनिल मिश्रा पर 40 प्रतिशत कमीशन लेने के आरोपों का भी जिक्र एसआईटी ने किया है। इंजीनियर ने अपने बयान में भी स्पष्ट रूप से कमीशन का आरोप लगाया है।

सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान अहम

सूत्रों के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ के साक्ष्य एसआईटी ने जांच रिपोर्ट में शामिल किए हैं। वहीं, कुछ अहम फुटेज एसआईटी को मिले भी हैं, जिससे चोरी के आरोपों पर मुहर लगी है। इसमें गणनाकर्मी सीधे तौर पर शामिल रहे। खासकर अनुकल्प, मनीष, अवनीश आदि हैं। इसके अलावा टिन्नू के खिलाफ भी साक्ष्य मिले हैं। चोरी में 25-30 लोगों की भूमिका पाई गई है। इन सभी पर एफआईआर की संस्तुति की गई है। इन सभी के खिलाफ कई गवाह भी हैं, जिनके बयान बेहद अहम हैं।

भारत के केरल राज्य में 9 साल तक हुई खोज में दावा

दोस्तों का साथ भी आपको डायबिटीज बीमारी से बचा सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत में हुई एक रिसर्च में यह जानकारी मिली है कि दोस्तों का साथ भी आपको डायबिटीज बीमारी से बचा सकता है। इसके मुताबिक जो लोग अपने दोस्तों के साथ अच्छी जीवनशैली अपनाते हैं और इसके लिए प्रेरित करते हैं तो उनमें डायबिटीज का खतरा कम होता है। यह अध्ययन भारत के केरल राज्य में 9 साल तक चला है। इसके नतीजे डायबिटीज की रोकथाम के लिए आपसी कोशिशों की अहमियत को दिखाते हैं। इस रिसर्च को प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल द लैंसेट में प्रकाशित किया गया है। यह रिसर्च डायबिटीज निवारक कार्यक्रम के तहत की गई। भारत के केरल राज्य के 60 पोलिंग क्षेत्रों के 1007 लोगों को इसमें शामिल किया गया था। ये सभी 30 से 60 साल की उम्र के थे। यह डायबिटीज के उच्च जोखिम पर थे। इनको भविष्य में इस बीमारी के होने का खतरा था। इन सब लोगों का एचबीएवीसी केवल भी 5.6 से अधिक था और 6 से कम था। मतलब यह लोग डायबिटीज की सीमा रेखा पर थे।

खोज में लोगों को दो ग्रुप में बांटा गया

रिसर्च में इन लोगों को दो ग्रुपों में बांटा गया। एक ग्रुप को उनके दोस्तों के साथ रखा गया। इनको एक दूसरे की मदद करना और अच्छी जीवनशैली जीने के लिए प्रेरित करने को कहा गया। सभी को एक जीवनशैली प्रोग्राम में शामिल किया गया। इसके तहत इन्होंने हर महीने एक बैठक की, जिसमें दूसरे की मदद की और अपने अनुभवों को साझा किया। इन बैठकों में डायबिटीज को कंट्रोल करने वाली जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं, दूसरे ग्रुप को बस एक किताब दे गई। इनको कहा गया कि आप इसको पढ़कर अपनी जीवनशैली अच्छी करें।

खाली पेट ब्लड शुगर मिला कम | रिसर्च में जब इन सभी लोगों का फास्टिंग ब्लड शुगर चेक भी चेक किया गया। इसमें पता चला कि डायबिटीज से बचाव के लिए साथ बैठक करने वाले दोस्तों के ग्रुप के लोगों में ब्लड शुगर कम मिली। इनमें डायबिटीज का खतरा दूसरे ग्रुप की तुलना में 28 प्रतिशत तक कम पाया गया। स्टडी से यह संकेत मिलता है कि दोस्तों के साथ स्वस्थ आदतें अपनाना स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा है। इससे लंबे समय तक ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में प्रीवेंटिव मेडिसिन क्लीनिक के प्रोफेसर डॉ. जुगल किशोर ने इस बारे में कहते हैं कि डायबिटीज से बचाव के लिए अच्छी जीवनशैली सबसे ज्यादा जरूरी है। हम भी क्लीनिक में आने वाले लोगों को दवाओं पर निर्भर होने की सलाह नहीं देते हैं। अगर आप अच्छी जीवनशैली आदतों को अपनाते हैं और इसमें आपके दोस्त और सहयोगी साथ देते हैं तो बीमारियों से बचाव होता है।

पुणे मर्डर-

मंगेतर के साथ सिया की रोमांटिक पोस्ट

पुणे। पुणे में मंगेतर की हत्या करने वाली 20 साल की सिया गोयल ने सोशल मीडिया अकाउंट पर केतन अग्रवाल (26) के साथ कई रोमांटिक पोस्ट किए थे। कभी प्रपोजल की तस्वीरें, कभी फूल देकर प्यार जताने वाले पल, तो कभी डांस और गले मिलने के वीडियो।दोनों की नवंबर में होने वाली शादी की तैयारियां भी सोशल मीडिया पोस्ट का हिस्सा थीं। इस साल फरवरी में सगाई के बाद सिया ने इंस्टाग्राम पर एक केक की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था- मेरे दिल को उसका घर मिले एक महीना पूरा हुआ। उसने केतन को टैग भी किया था। पुलिस के मुताबिक, 18 जून को केतन की मौत के दिन लोहगढ़ किले पर एक युवक 33°C तापमान में हुडी पहनकर आया था।

संक्षिप्त समाचार

हनुमान मंदिर में की गई लायंस लंगर सेवा

सतना। लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स सतना द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को अनवरत जारी लायंस लंगर सेवा में मंगलवार को हनुमानजी मंदिर सी एम एच ओ आफिस के सामने धवारी सतना में खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया लगभग 600 भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन आलोक त्रिपाठी ज़ोन चेयरपर्सन लायन धर्मेंद्र सेन, लायन जितेन्द्र गर्ग,लायन कृष्ण कुमार द्विवेदी,कमल कांत पाण्डेय, राजेश श्रीवास्तव,मिथलेश पाण्डेय,सुकीर्त त्रिपाठी,सूर्य कमल त्रिपाठी, विनय कमल त्रिपाठी , मंदिर के पुजारी पं. जगन्नाथ महराज एवं साथी उपस्थित रहे।

[विरोध] मंडी शुल्क बढ़ोत्तरी के खिलाफ व्यापारियों ने किया प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जिले की मंडियों में लटका रहा ताला, एक दिन में दस करोड़ का व्यापार हुआ प्रभावित

नगर संवाददाता, सतना।

प्रदेश सरकार द्वारा मंडी शुल्क को 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 1.5 प्रतिशत किए जाने के निर्णय का विरोध तेज हो गया है। मंगलवार को गल्ला तिलहन व्यापारी संघ व कृषि उपज व्यपारी संघ सतना ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर इस फैसले को वापस लेने की मांग की। सकल अनाज-तिलहन व्यापारी महासंघ के आवाहन पर मंगलवार को मंडी में अनाज की खरीदी बिक्री नहीं की गई। इस दौरान सतना की कृषि उपज मंडी समेत नागौद, मैहर मंडी में ताला लगा रहा। वहीं उप मंडियों में भी व्यापारियों ने मंगलवार को अनुबंध नहीं कटाए। इन दिनों रबी सीजन के चलते काफी मात्रा में अनाज मंडी आ रहा है जिसे देखते हुए सतना व मैहर जिले के बी करीब दस करोड़ रुपए का व्यापार एक दिन के हड़ताल से होने का अनुमान है।

व्यापारियों पर पड़ रहा अतिरिक्त बोझ

गल्ला तिलहन व्यापारी संघ के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र द्विवेदी, मंत्री अजय कुमार बरसैया व कृषि उपज व्यापारी संघ के मंत्री विनोद अग्रवाल ने बताया कि मंडी शुल्क में 50 प्रतिशत की वृद्धि से कृषि उपज व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ेगा। इसका प्रतिकूल प्रभाव कृषि उपज के व्यापार, किसानों और आम उपभो ताओं पर पड़ेगा। व्यापारियों ने बताया कि वर्तमान में परिवहन लागत, श्रम व्यय, संचालन खर्च और बाजार की प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियों का सामना पहले से किया जा रहा है। ऐसे में मंडी शुल्क बढ़ने से व्यापार की लागत बढ़ेगी, जिसका सीधा असर वस्तुओं के दामों पर पड़ेगा और महंगाई बढ़ने की संभावना रहेगी।

बढ़ेगी शुल्क चोरी की प्रवृत्ति

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि अधिक शुल्क लागू होने की स्थिति में कुछ लोग शुल्क से बचने के लिए अनियमित तरीकों का सहारा ले सकते हैं, जिससे शुल्क चोरी की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। इससे शासन के राजस्व को नुकसान होने के साथ-साथ ईमानदारी से व्यापार करने वाले व्यापारियों को भी असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। गल्ला तिलहन व्यापारी संघ ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मंडी शुल्क वृद्धि के निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए इसे वापस लिया जाए, ताकि व्यापार सुचारु रूप से संचालित हो सके, शासन का राजस्व सुरक्षित रहे और आम जनता पर अनावश्यक महंगाई का बोझ न बढ़े।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित किया गया विशेष योग व प्राणायाम कार्यक्रम

नगर संवाददाता, सतना।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ताल तरंग कला केंद्र में विशेष योग एवं प्राणायाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन प्रसिद्ध एवं अनुभवी अंतर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षिका एवं योग थेरेपिस्ट सुश्री रानी साहू द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कर स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर ताल तरंग कला केंद्र की संचालिका प्रियंका भसीन ने रानी साहू को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया तथा उनके मार्गदर्शन एवं योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

इमामबाड़ों में रखे गए अलम, दिलाई गई फातिया

सतना। मुहर्रम पर्व के मौके पर मंगलवार को पन्नी लाल चौक स्थित मुख्य इमामबाड़े में शाम 7 बजे निशान चढ़ाए गए। इस दौरान यहां सामूहिक फातिया दिलाई गई। इस संबंध में ताजियादार सैय्यद कासिम अली ने बताया कि 25 जून की रात्रि 9 बजे यहां पुराना पावर हाउस के पास से ताज़िया उठ कर इमामबाड़ा पहुंचेगी। तत्पश्चात 26 जून को देर रात शहर की सभी ताजिया , झूले ,सवारी यहां से गुजरने के बाद पानीलाल चौक की ताजिया उठकर कर्बला शरीफ पहुंचेगी । सैयद कासिम अली ने बताया कि पानी लाल चौक में लगभग 100 वर्षों से ताजिया रखी जा रही है। इसकी शुरुआत इनके नाना मरहूम लल्लू ताजियादार ने की थी। यहां की ताजियादारी अब चौथी पीढ़ी संभाल रही है। इस काम में सैय्यद हाशिम अली, अफजल हुसैन, रहमान हुसैन , मो बशीर, शादाब हुसैन, साहिल हुसैन, जाफर हुसैन, नजम का योगदान रहता है।

नेशनल पेंचक सिलाट चैंपियनशिप के लिए माया कराते क्लब के तीन खिलाड़ियों का चयन

■ नासिक में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे ऋषभ,हर्षित व आर्यन

नगर संवाददाता, सतना।

माया कराते क्लब के तीन होनहार खिलाड़ियों का चयन आगामी नेशनल पेंचक सिलाट चैंपियनशिप 2026 के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 25 से 28 जून तक नासिक (महाराष्ट्र) के इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सेंट जनार्दन स्वामी आश्रम में आयोजित की जाएगी। माया कराते क्लब के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया है। चयनित खिलाड़ी मध्य प्रदेश पेंचक सिलाट टीम में शामिल होकर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उसमें ऋषभ सिंह, हर्षित माकिन, आर्यन तिवारी शामिल है।

क्रीड़ा अधिकारी ने प्रदान किए ट्रैकसूट

इसी क्रम में सतना जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग की खेल अधिकारी डीएसओ रितिका दुबे द्वारा राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को ट्रैकसूट प्रदान किए गए तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी गई।क्लब के संचालक एवं कोच शिहान गुड्डू कनौजिया ने बताया कि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

इन्होंने जताया हर्ष

सतना जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन के संरक्षक राजेश केला, अध्यक्ष शंभू चरण दुबे, सचिव चाहत केशरवानी, उपाध्यक्ष शिवम जोली तथा माया कराते क्लब के अध्यक्ष डॉ. हेमंत कुमार डेनियल, कोच शिहान गुड्डू कनौजिया सहित क्लब के सदस्य शुभम जोली, रुक्मणी मिश्रा, अमित रजक, सुनील वाल्मिक, सतीश चौधरी, अमर कछ्वाहा, अरुण सिंह परिहार, शिवम मलिक एवं वीरेंद्र सहाय सक्सेना तथा समस्त माया कराते क्लब परिवार एवं अभिभावकों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्राचार्य व प्रधानाचार्यों की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

नगर संवाददाता, सतना।

जिला स्तरीय प्राचार्य व प्रधानाचार्य जिला सतना व मैहर की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला सचिव विकास पाण्डेय, सह जिला सचिव चंदन अग्रवाल एवं विभाग समन्वयक रवि मिश्रा द्वारा मां वीणा वादिनी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। बैठक में जिले के 27 प्राचार्य व प्रधानाचार्य एवं 3 अधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों का परिचय विद्यापीठ के प्राचार्य राजेंद्र सिंह राजपूत द्वारा तथा स्वागत स.शि.मंदिर कृष्णानगर के प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद दुबे द्वारा प्रस्तुत किया गया। बैठक में प्रवेश एवं स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टी.सी.) की जानकारी, वाहन अनुबंधन, विद्यालय सम्बद्धता, घोषदल, शिक्षण कार्य तथा संस्कार केंद्र संचालन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उपस्थित सभी प्राचार्यों एवं अधिकारियों ने अपने विचार एवं सुझाव साझा किए। समापन सत्र में सह जिला सचिव चंदन अग्रवाल द्वारा प्रेरणादायी उद्बोधन दिया गया। बैठक का समापन कल्याण मंत्र के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।

13 गांवों में भेजे गए एकेएस विश्वविद्यालय के कृषि विद्यार्थी

■ किसानों के साथ सीखेंगे आधुनिक खेती की बारीकियां

नगर संवाददाता, सतना।

नैक एक्रेडिटेड एवं यूजीसी से मान्यता प्राप्त एकेएस विश्वविद्यालय, सतना के कृषि संकाय के सातवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों का ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (आरएडब्ल्यूई) कार्यक्रम के अंतर्गत सतना जिले के 13 गांवों में विलेज प्लेसमेंट किया गया। कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राएं निर्धारित अवधि तक गांवों में रहकर किसानों के साथ कार्य करेंगे और कृषि, पशुपालन, ग्रामीण विकास तथा कृषि प्रसार गतिविधियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। आरएडब्ल्यूई कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्रामीण जीवन, कृषि क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों तथा किसानों की समस्याओं से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना है। इसके माध्यम से छात्र-छात्राएं कृषि संबंधी वैज्ञानिक तकनीकों, नवाचारों और शासकीय योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचाने का कार्य भी करेंगे। साथ ही वे ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर कृषि उत्पादन और आजीविका सुधार से जुड़े विषयों पर किसानों के साथ संवाद स्थापित करेंगे।

किसानों की समस्याओं का करेंगे अध्ययन, देंगे सुझाव

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी किसानों की समस्याओं का अध्ययन कर उनके संभावित समाधान सुझाएंगे तथा खेत स्तर पर कृषि प्रसार गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इससे उनमें नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और कृषि विस्तार संबंधी व्यावहारिक दक्षता का विकास होगा। इस अवसर पर कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. ए. के. भौमिक, कृषि प्रसार विभाग की डॉ. रफिया अमीन, अनूप शुक्ला एवं शिवराम प्रजापति ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में अनुशासन, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

जनसुनवाईः कलेक्ट्रेट में 175 तो ननि में आईं 50 शिकायतें

सतना। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. समेत एसडीएम एलआर जांगड़े और डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते ने जिले के विभिन्न अंचलों से आये आवेदकों की समस्यायें सुनीं। कलेक्ट्रेट में जिलेभर से 175 आवेदक अपनी-अपनी समस्यायें लेकर पहुंचे। कलेक्टर तथा अन्य अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिये। नगर निगम में आयोजित जनसुनवाई में ननि क्षेत्र के 50 आवेदक अपनी-अपनी समस्यायें लेकर पहुंचे। महापौर योगेश ताम्रकार समेत नगर निगम के अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित शाखा प्रभारियों को निराकरण के निर्देश दिये। मिली जानकारी के मुताबिक नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा के लिये 4, फायर शाखा 1, योजना शाखा के लिये 4, पेयजल 8, संपत्ति कर 1, राजस्व 1, विद्युत शाखा 2, अतिक्रमण 2, स्थापना शाखा 5, पीएम आवास 13 तथा निर्माण शाखा के लिये 9 आवेदक समस्यायें लेकर पहुंचे हैं।

महापौर ने ली विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

■ निर्माण कार्यों की गुणवत्ता व समयबद्ध क्रियान्वयन के दिए निर्देश

नगर संवाददाता, सतना।

नगर निगम के महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने शहर के समग्र विकास एवं जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए गुरुवार को महापौर कक्ष में नगर निगम के इंजीनियरों के साथ विभिन्न विकास कार्यों एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में शहर में संचालित विकास कार्यों की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता, समयबद्ध क्रियान्वयन तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर ने अधिकारियों एवं इंजीनियरों को निर्देशित किया कि सभी विकास कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं तय समयसीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखते हुए प्रत्येक परियोजना की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि शहरवासियों को बेहतर आधारभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके।

लापरवाही व गुणवत्ता से समझौता नहीं

बैठक में निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। महापौर ने स्पष्ट किया कि कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी एवं इंजीनियर उपस्थित रहे। महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य शहर के विकास को निरंतर गति देना तथा प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सुविधायुक्त शहर उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों से विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शहर कांग्रेस की 5 वार्ड कमेटियों का किया गया भौतिक सत्यापन

■ संगठन प्रभारी ने मंडलम, वार्ड व बूथ स्तर की कमेटियों का बताया महत्व

नगर संवाददाता, सतना।

मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी सतना शहर अध्यक्ष आरिफ इकबाल सिद्दीकी के नेतृत्व में वार्ड कमेटियों के भौतिक सत्यापन हेतु महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया गया। यह संपूर्ण भौतिक सत्यापन सतना विधानसभा संगठन प्रभारी आनंद शुक्ला द्वारा जिला अध्यक्ष सतना शहर आरिफ इकबाल सिद्दीकी एवं प्रवक्ता अमित गोयल की उपस्थिति में की गई। जिला कांग्रेस कमेटी सतना शहर के प्रवक्ता अमित गोयल ने जानकारी दी की सत्यापन प्रक्रिया के तहत सतना शहर के हनुमान नगर, नई बस्ती ब्लॉक तथा शहर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 7, 8, 9, 11 और 12 की वार्ड कमेटियों की समीक्षा की गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं की सक्रि यता परखने के साथ-साथ संगठन को बूथ स्तर पर अभेद्य बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। शहर उपाध्यक्ष जे.पी. कुशवाहा, नई बस्ती ब्लॉक अध्यक्ष अजय बहादुर सिंह ने विधानसभा प्रभारी से कार्यकर्ताओं का परिचय कराया।

वन- टू-वन मुलाकात कर की चर्चा

सत्यापन के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी सतना शहर अध्यक्ष आरिफ इकबाल सिद्दीकी, विधानसभा संगठन प्रभारी आनंद शुक्ला एवं प्रवक्ता अमित गोयल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया जिसमें उन्होंने मंडलम, वार्ड एवं बूथ स्तर की कमेटियों का महत्व बताया। सतना विधानसभा संगठन प्रभारी आनंद शुक्ला ने सभी वार्डों के कार्यकर्ताओं से वन-टू-वन मुलाकात कर उनका भौतिक सत्यापन किया। वन-टू-वन भौतिक सत्यापन का मुख्य उद्देश्य हर एक कार्यकर्ता से सीधा संवाद स्थापित करना है। वन-टू-वन मुलाकात से न केवल कार्यकर्ताओं की जमीनी समस्याओं का पता चलता है, बल्कि उनका मनोबल भी दोगुना होता है। प्रत्येक वार्ड में वार्ड अध्यक्ष सहित 43 सदस्यीय टीम बनाई गई है जो आम जनता और जिला नेतृत्व के बीच एक मजबूत सेतु का काम करेगी, जिससे स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान संभव होगा। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी आनंद शुक्ला, जिला अध्यक्ष सतना शहर आरिफ इकबाल सिद्दीकी, प्रवक्ता अमित गोयल, शहर उपाध्यक्ष जेपी कुशवाहा, ब्लॉक अध्यक्ष अजय बहादुर सिंह के साथ प्रमोद शर्मा, राजीव पाठक, पीयूष शर्मा, विष्णु सिंह, बादल नामदेव, सुधांशु उरमालिया, गौरव पटनाहा, पदुमनाथ सतनामी, लालू प्रसाद सोनी, एल के के त्रिपाठी त्रिपाठी, उमेश कुशवाहा, संतोष पांडे, बबलू यादव तथा सभी वार्ड अध्यक्ष, वार्ड प्रभारी एवं वार्ड के सभी कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

[तीर्थयात्रा] निर्यापक श्रमण मुनि समतासागर महाराज ने दिया मंगल आशीर्वाद

श्री सम्मेदशिखर तीर्थराज की यात्रा पर जायेंगे नगर से 500 श्रद्धालु

नगर संवाददाता, सतना।

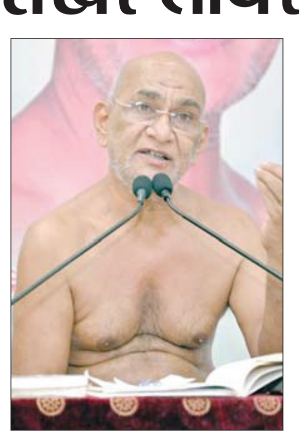

दिगम्बर जैन समाज सतना के लगभग 500 श्रद्धालु 24 जून को शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेदशिखर जी की वंदना हेतु सामूहिक यात्रा पर रवाना होंगे। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया कि श्रद्धालु चार बसों एवं रेलमार्ग के माध्यम से प्रातः 10 बजे सतना से प्रस्थान करेंगे। यात्रा के दौरान 26 जून को पर्वतराज पर भगवान शांतिनाथ भगवान की टोंक पर बाल ब्रह्मचारी प्रतिष्ठाचार्य मुकेश भैया के निर्देशन में श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन संपन्न होगा।

मुनिश्री ने बताई तीर्थ की महिमा

इस अवसर पर सतना में विराजमान निर्यापक श्रमण मुनि समतासागर महाराज ने श्री सम्मेदशिखर तीर्थ की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि ऐरावत क्षेत्र की प्रत्येक चौबीसी में एक शाश्वत नियम रहता है- सभी तीर्थंकरों का जन्म अयोध्या में होता है तथा वे दीक्षा और केवलज्ञान कहीं भी प्राप्त करें, किंतु निर्वाण पद केवल सम्मेदशिखर से ही प्राप्त करते हैं। मुनिश्री ने बताया कि वर्तमान भरत क्षेत्र की चौबीसी में यह व्यवस्था कुछ भिन्न दिखाई देती है। सभी तीर्थंकरों का जन्म अयोध्या में नहीं हुआ तथा चार तीर्थंकरों की निर्वाण भूमियां भी अलग-अलग रहीं। भगवान ऋषभदेव का निर्वाण अष्टापद (कैलाश पर्वत), भगवान वासुपूज्य का चंपापुर (मंदारगिरि), भगवान नेमिनाथ का गिरनार पर्वत तथा भगवान महावीर का पावापुरी से निर्वाण हुआ। शेष बीस तीर्थंकरों ने सम्मेदशिखर से मोक्ष प्राप्त किया।

होगा ऐतिहासिक आयोजन

सतना समाज की धर्मनिष्ठा एवं सक्रियता की सराहना करते हुए मुनिश्री ने कहा कि इस बार श्री सम्मेदशिखर में एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। पहली बार संपूर्ण टोंकों पर भगवान की पालकी के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें श्रीजी विराजमान रहेंगे तथा सभी टोंकों की वंदना की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन धर्मप्रभावना का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा और तीर्थ की महिमा के व्यापक प्रचार-प्रसार में सहायक सिद्ध होगा।

ये रहे मौजूद

मुनिश्री ने सतना के विद्वान महेश पंडित एवं सिद्धार्थ जैन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सतना नगर का सौभाग्य है कि यहाँ के विद्वान विदेशों में भी धर्म की प्रभावना कर रहे हैं। इस अवसर पर मुनि पवित्र सागर, ऐलक निश्चय सागर , ऐलक निजानंद सागर सहित संघस्थ ब्रह्मचारी अनूप भैया, रिंकू भैया, शैलेश भैया, सुबोध भैया तथा समाज के अध्यक्ष राहुल जैन, मंत्री संदीप जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु पन्नीलाल चौक स्थित नेमीश्वर धाम तीर्थ में उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने किया रक्तदान

नगर संवाददाता, सतना।

रक्तदान महादान की भावना को साकार करते हुए चैंबर कार्यकारिणी सदस्य एवं भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल अध्यक्ष संजय अग्रवाल चांदी ने रक्त प्रेरक एवं सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी के अनुरोध पर स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज के समक्ष प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान ऐसा पुनीत कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए क्योंकि रक्त आप और हम ही दे सकते हैं रक्त का कोई और विकल्प नहीं है तथा एक यूनिट रक्त कई लोगों के जीवन में आशा की किरण बन सकता हैसिन्धु विकास समिति परिवार ने संजय अग्रवाल के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक नेतृत्वकर्ताओं द्वारा किए गए ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और युवाओं को मानव सेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्नानांतरित कमिश्नर जामोद को दी गई भावभीनी विदाई

रीवा। संभाग से स्थानांतरित कमिश्नर बीएस जामोद को राजस्व, पुलिस तथा संभागीय अधिकारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। श्री जामोद को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं पुष्पहार देकर सम्मानित किया गया। समारोह में नवागत कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में नवागत कमिश्नर श्री सिंह ने कहा कि श्री जामोद बहुत लंबे समय से मेरे मित्र हैं। आपकी सहज कार्यप्रणाली और प्रशासनिक कठिनाईयों को सूझबूझ से हल करने की क्षमता अद्वितीय है। श्री जामोद ने अपने कार्य व्यवहार और प्रशासनिक निर्णयों से संभाग के लोगों पर अच्छी छाप छोड़ी है। संभाग के सभी अधिकारी पदीय दायित्व के अनुसार पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें। संभाग को विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें। समारोह में स्थानांतरित कमिश्नर श्री जामोद ने कहा कि रीवा में मेरा लगभग दो वर्षों का कार्यकाल हमेशा मुझे याद रहेगा। यहाँ के अधिकारी परिश्रमी और प्रतिभावान हैं। सभी का मुझे भरपूर सहयोग मिला। रीवा संभाग पहले कई मामलों में प्रदेश में सबसे पीछे रहता था लेकिन अब स्थिति में बहुत सुधार हुआ है। ई.आफिस व्यवस्था में रीवा संभाग पिछले आठ महीनों से प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है।

समीक्षा बैठक संपन्न

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में 24 जून को सुबह 11 बजे से गूगल मीट के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। बैठक में नवागत कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 25 जून को आयोजित होने वाली बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं पर की गई कार्यवाही की समीक्षा करेंगे।

25 जून को खुलेगा ईव्हीएम वेयरहाउस

रीवा। अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया है कि नियमित त्रैमासिक निरीक्षण के लिए शासकीय इंजीनियरिंग कालेज में स्थित ईव्हीएम वेयरहाउस 25 जून को सुबह 11 बजे खोला जाएगा। यह कार्यवाही जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में होगी। अपर कलेक्टर ने सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से वेयरहाउस खुलने के समय उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

छात्रावासों का निरीक्षण

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित आयोग के अध्यक्ष कैलाश जाटव रीवा जिले के भ्रमण के दौरान स्कूलों तथा छात्रावासों का निरीक्षण किया। अध्यक्ष ने शासकीय पीके सांदीपनि विद्यालय तथा शासकीय एसके हायर सेकण्डरी स्कूल का निरीक्षण करते हुए अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

[अराजकता] सिरमौर चौराहा से बिछिया तक चला उपद्रवियों का ताण्डव

रात के अंधेरे में चली तड़ातड़ गोलियां, वाहनों के फोड़े सीसे

रीवा, नगर संवाददाता। शहर में एक ओर पुलिस कॉम्बिंग गश्त में व्यस्त थी, वहीं दूसरी ओर बेखौफ बदमाश आधी रात सड़कों पर गोलियां चलाते हुए उत्पात मचाते रहे। सिरमौर चौराहे से शुरू हुआ दो पक्षों का विवाद बिछिया थाना क्षेत्र तक पहुंच गया, जहां वाहन सवारों के बीच पीछा करने, टक्कर मारने और फायरिंग की घटना सामने आई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब एक बजे सिरमौर चौराहे पर दो पक्षों के बीच पुराने विवाद को लेकर कहासुनी हुई। विवाद बढने् पर दोनों पक्ष वाहन लेकर एक-दूसरे का पीछा करते हुए बिछिया थाना क्षेत्र स्थित जेल मार्ग तक पहुंच गए। इस दौरान आरोपियों ने एक-दूसरे के वाहनों को टक्कर मारने के साथ ही फायरिंग भी की। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, करीब चार से पांच राउंड गोलियां चलने की बात सामने आई है। एक कार में दो गोलियां धंसने के निशान मिले हैं, जबकि अन्य वाहनों के शीशे टूटे पाए गए। घटना में एक व्यक्ति के मामूली रूप से घायल होने की भी चर्चा है। घायल व्यक्ति ने दावा किया है कि गोली उसके कंधे को छूते हुए निकल गई। बिछिया पुलिस ने बताया कि फरियादी उदित राज जायसवाल निवासी मऊगंज सहित एक अन्य का पूर्व में आरोपियों से विवाद हुआ था, जिस पर मारपीट का एक मामला विश्वविद्यालय थाना में दर्ज था, इसी बात को लेकर सिरमौर चौराहा में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई जिसके बाद बिछिया में फायरिंग की गई। चार आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया है, जिनकी तलाश की जा रही है।

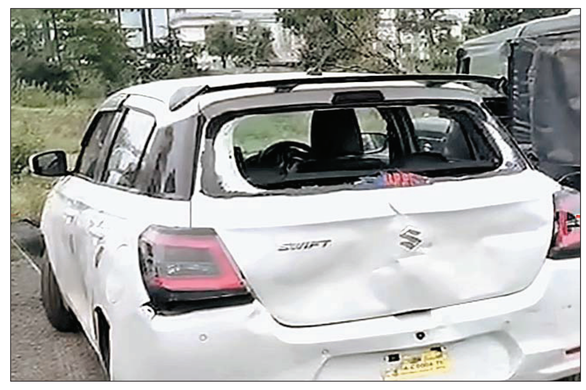

पुराने विवाद ने लिया नया रूप, 4 पर प्रकरण दर्ज

घटना लेकर बताया जा रहा है कि मामला दो पक्षों के बीच लंबे समय से चले आ रहे पुराने विवाद से जुड़ा है,जिसने नया रूप लिया है। प्रारंभिक विवाद सिरमौर चौराहे पर हुआ था, जिसके बाद बिछिया क्षेत्र में कार पर फायरिंग की घटना हुई। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर बिछिया थाने में चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

3 वाहन जप्त,बदमाशों की खोजबीन शुरू

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त तीन वाहनों को जब्त कर लिया है, जबकि आरोपी वारदात के बाद फरार हो गए। बिछिया थाना प्रभारी मनीषा उपाध्याय ने बताया कि मामले में अभय पाण्डेय, विकास सिंह सहित चार आरोपियों की पहचान की गई है,जिनकी तलाश के लिए पुलिस की टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा।

सुरताल महोत्सव 25 से कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में

रीवा। प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु हर साल की तरह इस साल भी मुकेश है मुकेश आर्केस्ट्रा द्वारा आयोजित स्वर्गीय मुकेश दुबे की याद में सुरताल महोत्सव का चार दिवसीय सुरताल महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में आ चुकी है। 25 जून 2026 को सुबह 10 बजे से कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में भव्य लाइटिंग और साउंड के साथ कराओके और बघेली गीतों के साथ शाम को मॉडलिंग प्रतियोगिता का प्रथम राउंड आयोजित किया जाएगा। आयोजक डॉक्टर प्रवीर दुबे ने बताया कि 26 जून 2026 को वेस्ट डांसर अवार्ड का सुबह 10 बजे से सेमीफाइनल राउंड होगा बेस्ट डांसर अवार्ड में किड्स वर्ग जूनियर सीनियर मेल फीमेल अलग-अलग प्रतियोगिताओं के साथ युगल नृत्य और समूह नृत्य की प्रतियोगिताएं संपन्न कराई जाएगी। बेस्ट डांसर अवार्ड के समूह नृत्य में प्रथम आने वाली टीम को सुरताल महोत्सव की सबसे बड़ी ट्रॉफी 6.30 फीट की आयोजक मंडल द्वारा प्रदान की जाएगी, 26 जून 2026 को ही मॉडलिंग प्रतियोगिता का फाइनल राउंड होगा, 27 जून 2026 को वेस्ट सिंगर अवार्ड की प्रतियोगिताएं होंगी।

जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया

रीवा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गंगेव ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी मनगवां के माध्यम से मध्यप्रदेश शासन के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में क्षेत्रवासियों की लंबे समय से लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की गई है। कांग्रेस पार्टी के जिला संगठन महासचिव रवि तिवारी ने बताया कि क्षेत्र के अनेक गांवों में बार.बार ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं हो रही हैं, जिससे किसानों एवं आम नागरिकों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ट्रांसफार्मरों की समय पर मरम्मत एवं नियमित रखरखाव की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की मांग की। इसके अलावा नल.जल योजना के अधूरे कार्यों को जल्द पूरा कर सभी छूटे हुए गांवों और बस्तियों को योजना से जोड़ने तथा नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। ज्ञापन में क्षेत्र की नहरों से अतिक्रमण हटाकर उनकी मरम्मत कराने तथा सिंचाई व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किए जाने की मांग रखी गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस संगठन महासचिव रवि तिवारी, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बबिता साकेत, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बलराम गौतम, नगर कांग्रेस अध्यक्ष शंकर राघव तिवारी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश तिवारी, ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष नीरज सिंह, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी त्रिवेणी मैत्रेय, अरविंद मिश्रा, रवि प्रकाश तिवारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अजा वर्ग को सर्वाधिक लाभ भाजपा शासन काल में ही मिलाः डॉ. कैलाश

रीवा, नगर संवाददाता। प्रदेश की भाजपा सरकार ने अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए काफी काम किया है। कई कल्याणकारी योजनाएं बनायी है। अजा वर्ग को सर्वाधिक लाभ भाजपा शासन काल में ही मिला है। यह बातें अजा आयोग मध्यप्रदेश के अध्यक्ष डॉ कैलाश जाटव ने पत्रकारों से चर्चा दौरान कही। श्री जाटव ने कहा कि उनके दौरे का उद्देश्य सरकार की योजनाओं का जमीनी अमल की मानीटरिंग करना है। अजा आयोग अध्यक्ष श्री जाटव ने बताया कि वह पिछले चार दिनों रीवा दौरे में रहा। जिला कमेटी के साथ ही नगर निगम, पुलिस व ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा की है। अधिकारियों को नसीहत देते हुए श्रीजाटव ने कहा कि अभी तक के आयोग अध्यक्षों जो भी काम किया हो उसकी बात मै नहीं करूंगा लेकिन मेरा काम उनसे अलग रहेगा। अधिकारियों को भी और आम जनतो को भी पता चलेगा कि आयोग के अधिकार और काम क्या हैं। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा अजा बस्तियों, छात्र व कन्या छात्रावासों का भी निरीक्षण किया है। लोगों के बात की है। छात्रों से बात किया है। समाज के लोगों से बात किया है। कहा कि अजा वर्ग का प्रदेश की मोहन व केंद्र की मोदी सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। जिसे हर हाल में बहाल रखने की कोशिश रहेगी।

प्रोटोकॉल की अवहेलना करने वालों को नहीं बख्शा जायेगा

जिला पंचायत सभागार में समीक्षा बैठक में अजा आयोग अध्यक्ष के प्रोटोकॉल का पालन न करने के मामले में अध्यक्ष श्री जाटव की नाराजगी दूसरे दिन भी झलकी। पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो बैठक में नहीं थे उन्हें आयोग द्वारा सम्मन भेज दिया गया है। कुछ मेरा पर्सनल है उसे अभी देखना है। उन्होंने संकेत दिया कि प्रोटोकॉल की अवहेलना मामले में जिम्मेदारों को बख्शा नहीं जायेगी।

शहर के अतिसंवेदनशील सार्वजनिक भवनों की होगी अग्नि सुरक्षा ऑडिट व संरचनात्मक सुरक्षा परीक्षण

महापौर ने निगमायुक्त को लिखा पत्र

रीवा, नगर संवाददाता। दिल्ली और लखनऊ के अस्पताल एवं कोचिंग सेंटर में घटित अग्नि संरचनात्मक भीषण दुर्घटनाओं के दृष्टिगत महापौर अजय मिश्रा बाबा ने रीवा शहर में अवैध निर्माण एवं भवन उपविधि उल्लंघन की रोकथाम के लिए तत्काल कार्यवाही बावत् आयुक्त नगर पालिक निगम रीवा को पत्र लिखा गया है। पत्र में लेख है कि रीवा शहर में अवैध निर्माण एवं भवन उपविधियों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन हो रहा है। महापौर ने रीवा में भी दिल्ली के विवेक विहार एवं लखनऊ की भांति भीषण दुर्घटना की प्रबल आशंका जाहिर करते हुए कहा है कि पूर्व में भी इस संबंध में पत्राचार किया गया था परंतु अब तक कोइ प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई, जो चिंताजनक है। उन्होंने सवाल किया है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना की प्रतीक्षा कर रहा है? संजय गांधी अस्पताल एवं सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में पूर्व में घट चुकी आगजनी की घटनाओं का उल्लेख करते हुए चेताया है कि अति संवेदनशील सावजनिक भवनों की अग्नि सुरक्षा ऑडिट एवं संरचनात्मक सुरक्षा परीक्षण तत्काल आवश्यक है। महापौर बाबा ने 23 जून 2026 को लिखे पत्र में उपायुक्त नगर निगम की अध्यक्षता में संयुक्त जांच दल गठित करने की सलाह दी है। साथ ही उन्होंने लेख किया है कि 48 घंटे में संयुक्त जांच दल गठित करें और आवश्यकता समझें तो कलेक्टर रीवा से चर्चा करके जिला प्रशासन के अधिकारी को भी टीम में शामिल किया जाए।

7 दिवस में मांगी तथ्यात्मक रिपोर्ट

आयुक्त नगर पालिक निगम रीवा को लिखे गए पत्र में महापौर ने जांच दल के द्वारा शहर के समस्त कोचिंग संस्थान, अस्पताल, नर्सिंग होम, मैरिज गार्डन, व्यावसायिक कॉम्पलेक्स एवं शासकीय अस्पतालों का स्थल निरीक्षण कर अग्नि सुरक्षा, भवन उपविधि, पार्किंग एवं निकास व्यवस्था की जांच कर 7 दिवस में तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। नियमविरुद्ध पाए गए भवनों को नोटिस जारी कर 15 दिवस में उनके सील एवं ध्वस्तीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करे के लिए महापौर ने निगम प्रशासन को निर्देशित किया है।

आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग

महापौर बाबा ने पत्र के माध्यम से निगम प्रशासन को अवगत कराया है कि अधिकांश स्थलों पर आवासीय अनुमति प्राप्त भवनों का व्यावसायिक उपयोग कर अनुज्ञा का उल्लंघन किया जा रहा है। तलघर (बेसमेंट) का उपयोग पार्किंग के स्थान पर अन्य प्रयोजनों के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने निर्धारित समयसीमा में कार्यवाही न करने पर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित किए जाने के लिए निर्देशित किया है।

भैंस चोरी के संदेह में युवक को बनाया बंधक, पुलिस ने कराया मुक्त

रीवा, नगर संवाददाता। सोहागी थाना क्षेत्र में पिकअप वाहन में लोड भैंसों के झुण्ड को लेकर ग्रामीणों ने एक युवक को चोरी के संदेह में पकड़ लिया। ग्रामीणों ने युवक को बंधकर बनाकर इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को बंधनमुक्त कर हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। उक्त घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। तत्संबंध में बताया गया कि सोहागी के कोटर खुर्द गांव में भैंस चोरी के शक में ग्रामीणों ने एक युवक को पकड़कर बंधक बना लिया। युवक पर आरोप था कि वह पिकअप वाहन से आधा दर्जन से अधिक भैंसों को जवा से शंकरगढ़ यूपी ले जा रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पत्रकारवार्ता में इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने दी गई जानकारी

परीक्षा घोटाला उजागर करने कांग्रेस का छात्रों की गूंज कार्यक्रम 26 को

रीवा, नगर संवाददाता। लोकसभा मे विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राजस्थान के कोटा शहर मे छात्रों से संवाद स्थापित कर यह बताने का प्रयास किया है कि किस तरह भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल मे हमारे देश में छात्रों का जीवन बर्बाद किया जा रहा है। पेपर लीक से परीक्षा रद्द हो जाने के कारण तकरीबन साढ़े 22 लाख छात्रों की मेहनत, पढ़ाई एवं भविष्य बर्बाद हो गया है। इसलिए अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के आहवान पर नीट सहित अन्य भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक को लेकर 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम आगामी 26 जून 2026 को स्थानीय वृन्दावन गार्डन रीवा में आयोजित होने जा रहा है, जिसमें विभिन्न कॉलेजों एवं स्कूल के छात्र-छात्राएं तथा शिक्षाविद भाग लेने जा रहे हैं, जहां खुले मंच पर संवाद का कार्यक्रम होगा और इस बात का खुलासा होगा कि किस तरह भाजपा सरकार मे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। कांग्रेस कार्यालय मे आयोजित पत्रकार वार्ता मे जिला कांग्रेस कमेटी रीवा के ग्रामीण अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने पत्रकारों से रूबरू होते हुये यह जानकारी दी।

पेपर लीक फ्राड हो रहा

श्री शर्मा ने कहा कि 26 जून को ''छात्रों की गूंज'' संबंधित जो संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है उससे भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र की सरकार के द्वारा किस तरह अनेकों परीक्षाओं में घोटाले किये गये हैं, उसे छात्रों को विधिवत रूप से बताया जायेगा। श्री शर्मा ने कहा कि जो भी पेपर लीक फ्रॉड हो रहा है यह केवल उन राज्यों में हो रहा है जहां भाजपा या एन.डी.ए. की सरकारें हैं, श्री शर्मा ने केन्द्र की भाजपा सरकार मे हुये पेपर लीक के मामलो की आकड़े प्रस्तुत कर बताया कि सर्वाधिक पेपरलीक की घटनायें वर्ष 2014 के बाद इनके शासनकाल में हुये हैं, चाहे वह नीट परीक्षा का हो, पुलिस भर्ती परीक्षा का हो, वन विभाग की परीक्षायें हो या मध्यप्रदेश मे व्यापम घोटाला रहा हो, या कोई भी परीक्षायें हों निर्वाध रूप से कोई भी परीक्षा संचालित नही हुई है। उन्होने यू.पी.ए. और एन.डी.ए. सरकार द्वारा पेपर लीक की घटनाओं का अन्तर समझाते हुये कहा कि जहां यू.पी.ए. सरकार मे सी.बी.आई. जॉच में दोषियों को सजा दिलायी गई है वहीं एन.डी.ए. सरकार मे सी.बी.आई. की जॉच मे किसी को दोषी नही बताया गया तथा क्लीन चिट दे दी गई। श्री शर्मा ने कहा कि इतने बड़े देश के करोड़ो छात्रों के भविष्य, सपने तथा मेहनत के साथ हो रहे फ्रॉड का कारण सिस्टम फेलियर अकेला नही है, बल्कि राजनैतिक दबाव के कारण अपराधियों को बचाया जा रहा है, उन्होंने कुछ गिने-चुने लोगों का नाम गिना कर यह बताया कि किस तरह साक्ष्यों के आभाव का खुलासा देकर सी.बी.आई. ने इन्हे क्लीन चिट दे दी। अब समय आ गया है कि हमारे जो छात्र-छात्रायें जिनके कंधो पर आने वाला भविष्य निर्भर है उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो, इसकी पुनरावृत्ति न हो इसके लिए लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है।

पेपर लीक फ्राड हो रहा

आगामी 26 जून 2026 को वृन्दावन मैरिज गार्डन झिरिया रीवा मे सुबह 11:00 बजे से आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम पर संवाद का कार्यक्रम स्थापित कर उनके हक और अधिकार की आवाज को बुलन्द करें तथा भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार की नीतियों को बेनकाब करें एवं अपने नेता राहुल गांधी के प्रयासों को साकार करें। पत्रकार वार्ता में प्रमुख रूप से शहर अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू, एन.एस.यू.आई. जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय, शहर कांग्रेस महासचिव सज्जन पटेल, युवक कांग्रेस के रीवा विधानसभा अध्यक्ष रोहन जॉन, सत्यनारायण तिवारी, जी.पी. त्रिपाठी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सात दिन में निराकरण का कमिश्नर फरमान

रीवा। नवागत कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने कमिश्नर कार्यालय में आमजनता के आवेदन पत्रों की सुनवाई की। कमिश्नर ने कहा कि संबंधित अधिकारी सात दिन की समय सीमा में जनसुनवाई के आवेदनों का समुचित निराकरण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। आवेदक को भी प्रकरण में की गई कार्यवाही से अवगत कराएं। समय सीमा का पालन न करने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। जनसुनवाई में वीरेन्द्र प्रसाद ने 2013 में दिए गए प्रशिक्षण के बाद गौसेवक के रूप में पंजीयन कराने के लिए आवेदन दिया। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक पशुपालन को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। राजेश सिंह निवासी रामनगर तहसील ने रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन रोकने के लिए कार्यवाही का आवेदन दिया। कमिश्नर ने कलेक्टर मैहर को टीम बनाकर मौके पर कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में लोकनाथ पाण्डेय निवासी ग्राम तेदुआ ने हैण्डपंप पर अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। कमिश्नर ने अधीक्षण यंत्री पीएचई को आवेदन में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। हनुमानदास गुप्ता निवासी ग्राम फरहदा जिला मऊगंज ने जमीन के सीमांकन के बाद कब्जा दिलाने के लिए आवेदन दिया। कमिश्नर ने टेलीफोन के माध्यम से तहसीलदार मऊगंज को प्रकरण में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। मिथिलेश सिंह निवासी ग्राम तेदुआ कोठार ने नहर निर्माण के लिए 2016 में अधिग्रहीत भूमि का मुआवजा देने के लिए आवेदन दिया। कमिश्नर ने एसडीएम त्योंथर को प्रकरण में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। वैद्यनाथ शर्मा सेवानिवृत्त भृत्य शिक्षा विभाग ने एरियर्स भुगतान के लिए आवेदन दिया। कमिश्नर ने बीईओ रायपुर कर्चुलियान को 15 दिवस में प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए।

संपादकीय

क्या ट्रस्ट भी 'दैवीय' है

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा-चोरी के संदर्भ में अब यह अहम सवाल है कि ट्रस्ट को भंग क्यों नहीं किया गया? ट्रस्ट के सदस्यों और उनके पालतू चंपुओं पर सिर्फ चढ़ावे की चोरी-डकैती के ही आरोप नहीं हैं, बल्कि भगवान राम को पहनाए गए, हीरे-जवाहरात के हार, चांदी की चरण-पादुका, अन्य गहने-आभूषण गायब करने के भी संवेदनशील आरोप हैं। फिर आरोपित राम मंदिर के ट्रस्ट में क्यों हैं? ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा पर राम मंदिर में ही इंजीनियर रहे दीनानाथ वर्मा के भ्रष्ट आरोप हैं कि वह निर्माण-कार्यों में 40 फीसदी कमीशन मांगते थे। फर्जी बिल बना कर निर्माण-कार्यों में मोटा घोटाला किया गया है। हम इन आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन कीचड़ तो उछला है! सबसे अधिक आपत्तिजनक और अवैध यह माना जा रहा है कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'नजूल की जमीन' कैसे और क्यों खरीदी? एक उदाहरण सामने आया है कि 2.92 करोड़ रुपए की नजूल-भूमि 23-24 करोड़ रुपए में क्यों खरीदी गई? नजूल की जमीन सरकारी संपत्ति होती है, जो राज्य सरकार को सौंपी जाती है। यह जमीन लीज, पट्टे पर तो दी जा सकती है, लेकिन इसे बेचा-खरीदा नहीं जा सकता। जमीन से जुड़ी ऐसी भ्रष्ट विसगतियों के आरोप तब से लगाए जा रहे हैं, जब राम मंदिर का निर्माण शुरू भी नहीं हुआ था। अभी दो-तीन दिन पहले उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के प्रवास पर थे, लेकिन ट्रस्ट को स्पष्ट आदेश दिए गए थे कि चंपत राय और अन्य आरोपितों, संदिग्धों को उनसे दूर रखा जाए। आखिर क्यों? क्या विशेष जांच टीम ने मुख्यमंत्री को कुछ 'विस्फोटक खुलासे' किए हैं? चंपत राय समेत अनिल मिश्रा, गोपाल राव, सुभाष श्रीवास्तव आदि पर संगीन आरोप हैं और सभी आरएसएस के पदाधिकारी रह चुके हैं। क्या सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और प्रधानमंत्री मोदी इसीलिए खामोश हैं? प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव रह चुके एवं राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र ने टीवी चैनलों के साक्षात्कारों में चढ़ावा-चोरी को 'डाका' करार दिया है और नजूल की जमीन खरीदने पर सवाल उठाए हैं। इसके बावजूद चंपत राय की चारित्रिक निष्ठाएं गाई जा रही हैं कि वह पूजा की थाली का चावल तक चुरा नहीं सकते। फकत फकीर और संत किस्म के व्यक्ति हैं। सवाल है कि जिस मंदिर में करोड़ों रुपए का दान आता हो, करोड़ों रुपए निर्माण और व्यवस्था पर खर्च किए जाते रहे हों, क्या उसके प्रशासन का दायित्व किसी 'संत-फकीर' को सौंपा जा सकता है? क्या ट्रस्ट भी 'दैवीय' है अथवा ट्रस्ट के सदस्य या संबद्ध लोग खास 'राम-भक्त' हैं? सर्वोच्च अदालत के निर्देश पर, प्रधानमंत्री मोदी के आदेश पर, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह ट्रस्ट गठित किया था। ऐसे क्या सुर्खाव के पर लगे हैं, जो इसे खंडित नहीं किया जा सकता? वैसे अब चर्चा सुनी जा रही है कि एक हालिया सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी को राम मंदिर ट्रस्ट का सीईओ बनाया जा सकता है, लिहाजा कुछ चेहरों पर गाज भी गिर सकती है। दरअसल हमारी अगाध आस्था है कि प्रभु राम देश की आत्मा हैं, प्राण हैं, जिंदगी हैं, मन-विचार हैं, प्रार्थना हैं और असीमित मर्यादा हैं। करोड़ों राम-भक्तों की ऐसी आस्थाओं, भक्ति को धोखा नहीं दिया जा सकता। यह धारणा पैदा नहीं की जा सकती कि राम मंदिर भी लूट, चोरी-चकारी का अड्डा है। राम के प्रति जरा-सा भी मोहभंग यह देश बर्दाश्त नहीं करेगा। यहां कोई 'राम-नाम' की लूट नहीं मची है कि कोई भी लूट ले!

युद्धों का चेहरा बदलता अदना-सा ड्रोन

गुरबचन जगत

लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर के डीजीपी रहे हैं

तेरहवीं सदी में इंग्लिश लॉन्गबो (एक किस्म का लंबा धनुष) खतरनाक हथियार के तौर पर उभरा। इसको 13वीं और 15वीं सदी के बीच इंग्लैंड की सैन्य ताकत के दबदबे का प्रतीक माना जाता है। मध्ययुगीन युद्धों में लड़ाई की तकनीक में भी यह एक बड़ा बदलाव लेकर आया-इंग्लैंड की सैन्य ताकत कवच धारी कुलीनों से हटकर आम लोगों से बने तीरंदाजों की भुजाओं में आ गई। यह बदलाव इतना अहम था कि एडवर्ड तृतीय ने शाही फरमान जारी किया- '...प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति रविवार व छुट्टियों के दिन तीरंदाजी का अभ्यास करेगा, और अन्य सभी खेलों पर रोक होगी।'

एजिनकोर्ट की लड़ाई (सन 1415) शायद इस शक्ति परिवर्तन की बेहतरीन मिसाल है, जिसमें लगभग 7,000 सैनिकों की (इनमें 5,000 तीरंदाज थे) की छोटी सी इंग्लिश सेना ने कवच से लैस घुड़सवार योद्धाओं वाली विशाल फ्रांसीसी सेना (जिसमें करीब 20,000 सैनिक थे) को हरा दिया। लॉन्गबो ने आम लोगों को सैन्य ताकत का अहम हिस्सा बना दिया और व्यापार व कारीगरी की पूरी इकॉनोमी को आगे बढ़ाया।

शेक्सपियर ने अपने नाटकों में, एजिनकोर्ट की लड़ाई से पहले किंग हेनरी पंचम के संवादों से इस बदलाव को अमर बना दिया- 'हम कुछ लोग, चंद खुशकिस्मत लोग हैं, भाइयों से बना हमारा समूह है; जो कोई आज मेरे साथ अपना खून बहाएगा वह मेरा भाई होगा; चाहे वह कितने भी निम्न तबके से क्यों न हो, आज का दिन उसकी हैसियत ऊंचा उठाने वाला होगा।' वर्तमान में ड्रोन एक खतरनाक हथियार बन चुका है। यह आधुनिक युद्ध के तौर-तरीकों को बदल रहा है, जिसमें, कहीं छोटे देश भी महाशक्तियों की सैन्य ताकत का मुकाबला कर रहे और धूल चटा रहे हैं। यह होते हमने रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-इस्राइल-ईरान संघर्ष में देखा है।

गोलियथ (विशालकाय योद्धा) का मुकाबला डेविड इसलिए कर पाया कि उसने पास नए मारक हथियार के रूप में गुलेल थी, आज वही गुलेल ड्रोन का रूप धर चुकी है। सस्ते और बड़े पैमाने पर बनने वाले ड्रोनों ने विशाल सेनाओं व जंगी बेड़ों का मुकाबला करने में कामयाबी हासिल की है।

आइए रूस का उदाहरण लें। रूस लंबे समय से यूक्रेन पर हमला करने और कब्जे में लेने की योजना बना रहा था। निरंतर अपना विस्तार कर रहे नाटो ने उसे ऐसा करने का बहाना दे दिया; नाटो ने यूक्रेन को सदस्य बनाकर, रूसी सीमाओं तक पहुंचकर उसके लिए खतरनाक बनना चाहा। रूसियों ने 'विशेष सैन्य अभियान' शुरू किया, जो कि दरअसल एक पूर्ण-स्तरीय हमला था।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की थी कि कुछ ही दिनों में यह अभियान पूरा हो जाएगा। टीवी पर बख्तरबंद गाड़ियों के काफिले यूक्रेन में घुसते देखे गए। हालांकि, उन्होंने दुश्मन को कमतर आंकने की बड़ी गलती की। यूक्रेन को अमेरिका और नाटो का समर्थन मिला, खासकर हथियार, गोला-बारूद और खुफिया जानकारी के मामले में। धीरे-धीरे रूसी सेना मुश्किलों में फंसती गई। यूक्रेन ने शनैः-शनैः विशाल रूसी सेना की बढ़त रोक दी। 'द हिंदू' के हालिया लेख में कहा गया : 'यूक्रेन ने आम ड्रोन, जो आम लोगों के इस्तेमाल के लिए बनाए गए थे, को तेजी से जासूसी और हमलावर प्रणाली में बदल दिया। जो फौरन निर्णायक युद्ध क्षमता में बदल गई, क्योंकि छोटे क्वाडकॉप्टर और फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन को हथियारों से

लैस कर कम लागत वाली किंतु सटीक निशाना लगाने वाली हथियार प्रणाली के तौर पर प्रयोग किया।' ड्रोन तबाही मचाने वाले सक्रिय हथियार बन गए और 2024 तक, यूक्रेनी सेना की लगभग हर टुकड़ी उससे लैस हो गई। तब से ड्रोन का विकास बहुत तेज़ी से हुआ। ड्रोन ने युद्ध की दिशा-दशा बदल दी; बचाव की मुद्रा में रहने के बजाय, यूक्रेन अब रूस के गहरे अंदर तक हमले कर रहा। 'तीन दिन' का अभियान ऐसे युद्ध में बदल गया है, जो अब पांचवें साल में है।

इस संदर्भ में ईरान के साथ अमेरिका-इस्राइल युद्ध का ज़िक्र करना भी ज़रूरी है। अमेरिकियों ने खाड़ी क्षेत्र में विशाल सैन्य बेड़े भेजे, सैनिक जमा किए और अपनी ताकतवर वायु सेना को तैनात किया, साथ ही ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की। इसके बाद, इस्राइल संग मिलकर हवाई हमले किए और ईरान के आध्यात्मिक, सैन्य और खुफिया नेतृत्व को खत्म कर दिया, और ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटाने तक की धमकी दी। अमेरिका ने ईरानियों की सभ्यतागत जीवट और इतिहास, तथा लाखों ड्रोन और मिसाइलों बनाने में उनकी तरक्की, उनके दूसरे एवं तीसरे स्तर के उनके नेतृत्व, और रणनीतिक व सामरिक सूझबूझ को अनदेखा किया-अहंकार और गलतियों ने फिर एक महाशक्ति को मात दे दी।

ईरानियों ने ड्रोन और मिसाइलों से खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों और अमेरिकी सहयोगियों के बुनियादी ढांचे पर हमले किए। इस्राइल पर भी ऐसे हथियारों से लगातार हमले किए। व्यापारिक जहाजरानी पर ड्रोन व मिसाइल हमलों के भय का इस्तेमाल कर होर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद कर देना, रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक रहा; इसने पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला दिया। पुनः, एक प्रतिबद्ध सेना के हाथ में बड़ी संख्या में आम ड्रोनों ने क्षमता से कहीं ज़्यादा असर दिखाया और एक महाशक्ति व उसके सैन्य तंत्र को ठप कर डाला।

जैसे-जैसे ड्रोन से शक्ल पाकर 'अनघड़ लड़ाई' युद्धक्षेत्र का स्वरूप बदल रही है, इतिहास में इस किस्म की उथलपुथल से आगे चलकर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन होते आए हैं। अंग्रेज़ों का 'लॉन्गबो' इसका उदाहरण था। इतिहास में ऐसे अन्य उदाहरण भी हैं। जैसे-जैसे सत्ता का संतुलन बदलता है और पुरानी व्यवस्था टूटती है, नए साम्राज्य और गठबंधन बनते हैं। इस प्रक्रिया में कितना समय लगेगा, कोई नहीं जानता, लेकिन 'बदलाव' की प्रक्रिया अपरिहार्य है। सवाल है कि इन सबका भारत पर क्या असर पड़ेगा। मैंने अपने पिछले लेखों में चीन-पाकिस्तान-बांग्लादेश गठजोड़ के बारे में जिक्र किया है। जैसे-जैसे अमेरिका और चीन पर पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ेगा, वैसे-वैसे उसकी महत्वाकांक्षाएं बढ़ेंगी (इस बाबत उसने जम्मू-कश्मीर को लेकर कई बार खुलकर कहा)। अमेरिका और रूस की गलतियों का फायदा चीन को ही होगा और वह उत्तर-पूर्व और लद्दाख में इलाकाई विवाद के अलावा भारत के साथ व्यापार के मामले में भी आक्रामक रुख अपनाए है। 21वीं सदी में जो एआई, रोबोट, ड्रोन और उर्जा उपयोग परिवर्तन का युग है- सैन्य और आर्थिक नए गठबंधन बनेंगे। अमेरिका पहले ही पुरानी मुक्त-व्यापार व्यवस्था भंग कर नए बदलाव लागू कर रहा है। चीन व उसकी औद्योगिक-व्यापारिक ताकत ने ही बदलाव करने को मजबूर किया। 18वीं और 19वीं सदी में, 'बड़ी ताकतों' में दुनिया को अपना उपनिवेश बनाने और उनके संसाधन उड़ाने की होड़ थी। आज, एक बार फिर सत्ता का पहिया घूम रहा है क्योंकि बड़ी ताकतें नियंत्रण और दबदबे के लिए होड़ कर रही हैं। इस उथल-पुथल भरे दौर में भारत को फौरन अपनी दिशा खोजनी होगी। बेरोजगारों की बढ़ती संख्या से हमारी अर्थव्यवस्था 'मध्य आय जाल' में फंसती जा रही है। स्नातक शिक्षित अधिकांश युवाओं की तन्खवाह इतनी नहीं जो आयकर योग्य सीमा में आ सके और उन्हें महंगाई से जूझना पड़ रहा है। महंगाई संग बेरोज़गारी, एक खतरनाक मिश्रण है, जिसका इस्तेमाल हमारे हितों के खिलाफ काम करने वाले तत्व अशांति फैलाने को कर सकते हैं। एफवीपी ड्रोन ने दिखाया है कि एकल ऑपरेटर द्वारा चालित यह उपकरण कितना नुकसान पहुंचा सकता है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात और उत्तर-पूर्व में लगातार ड्रोन घुसपैठ कर रहे हैं जिनका इस्तेमाल हथियार, गोला-बारूद और ड्रग्स की तस्करी के लिए किया जा रहा है। उत्तर-पूर्व, जम्मू-कश्मीर आदि में जारी तनावपूर्ण मुद्दों को सबको साथ लेकर चलने की भावना के साथ सुलझाना चाहिए। एकजुट होकर, देश को रणनीतिक साझेदारी और कूटनीति के ज़रिए अपने गठबंधनों को मज़बूत करने चाहिये। रूस और अमेरिका के अनुभवों को देखते हुए, भारत को अपनी लघु और दीर्घ कालीन सैन्य रणनीतियों पर पुनर्विचार करने और नए हथियार प्रणाली खरीदने के अलावा नूतन प्रतिकार उपाय अपनाने की ज़रूरत है।

हमेशा मानवता ने चुकाई है महत्वाकांक्षी युद्धों की कीमत

सुरेश सेठ

लेखक साहित्यकार हैं

पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से विश्व अलग-अलग क्षेत्रों में युद्ध की विभीषिका झेल रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध? के चलते दोनों देशों की संपत्ति और विश्व आपूर्ति शृंखला को नुकसान हुआ। दुनिया की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई और श्रम शक्ति का विस्थापन हुआ। लेकिन लड़ाई समाप्त होने का नाम नहीं ले रही। पश्चिमी एशिया में अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी तनाव और अस्थिर संघर्ष, भले ही टलने की स्थिति में दिखे, लेकिन यह मानवता के लिए गंभीर क्षति पहुंचा रहा है। साथ ही चीन-ताइवान तनाव से एक और वैश्विक युद्ध का खतरा बढ़ता दिखता है। यदि यह संघर्ष भारत की सीमाओं तक पहुंचा, तो न केवल विश्व अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि भारत भी तमाम आर्थिक चुनौतियों का सामना कर सकता है। अमेरिका-ईरान युद्ध से यूं तो पूरी दुनिया प्रभावित है, लेकिन विकासशील अर्थव्यवस्थाएं गहरे तक प्रभावित हो रही हैं। यह युद्ध 28 फरवरी को अमेरिका द्वारा खाड़ी स्थित ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने और संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा करने के कथित लक्ष्य के साथ शुरू हुआ। वास्तव में इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का युद्ध में कूदने का उद्देश्य अपनी राजनीतिक सुरक्षा था। अमेरिका ने अपनी शक्ति पर गुमान करते हुए युद्ध छेड़ा, लेकिन इसके परिणामस्वरूप संघर्ष की विभीषिका से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा गई। इस संघर्ष का परिणाम यह हुआ कि अमेरिका-ईरान युद्ध में 14 देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हो गए, क्योंकि खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डे स्थित थे। ईरान ने मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। दो महीने बाद शांति वार्ता शुरू हुई, लेकिन दोनों पक्ष बातचीत के लिए तैयार नहीं थे। अमेरिका संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा और होर्मुज मार्ग खुलवाना चाहता है, जबकि ईरान के फ्रीज खातों को खोलने और प्रतिबंध हटाने पर सहमति नहीं दे रहा था। दूसरी ओर, ईरान ने होर्मुज के मुहाने पर नाकाबंदी कर दी है, जिससे तेल और गैस के टैंकर अटक गए हैं। अमेरिका भी ओमान की खाड़ी में नाकाबंदी कर रहा है। इससे दुनिया भर में कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति का संकट पैदा हुआ है, जिससे तमाम देशों में महंगाई और ऊर्जा संकट उत्पन्न हो गया है। आर्थिक विश्लेषक कहते हैं कि इस युद्ध? के कारण दुनिया को इस समय तक अनुमानित 474 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो चुका है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन चेताता है कि अगर यूं ही ऊर्जा आपूर्ति बाधित रही तो पूरी दुनिया की जीडीपी घट जाएगी और रोजगार के अवसर समाप्त हो जाएंगे। ईरान की परमाणु शक्ति, होर्मुज मार्ग, फ्रीज की गई संपत्तियां और लेबनान में हिज्बुल्लाह से जुड़े मुद्दे शांति स्थापना में प्रमुख बाधाएं हैं। यद्यपि अमेरिका और ईरान ने युद्धविराम बढ़ाया था, फिर भी परमाणु कार्यक्रम और फ्रीज फंडों को लेकर दोनों के मतभेद लंबे समय तक बने रहे। इन विवादों के कारण संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हो पा रहा था। विश्व की शक्तियों को समझना चाहिए कि युद्ध को लंबे समय तक नहीं चलाया जा सकता। अमेरिकी संसद बार-बार कहती रही है कि यह युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए लेकिन ट्रम्प अपनी विजेता की छवि बनाकर ही इस युद्ध से निकलना चाह रहे थे, जो तत्काल संभव नजर नहीं आता था। ईरान ने अमेरिका जैसी महाशक्ति और इस्राइल की एकजुटता से मुश्किल लड़ाई लड़ी है, लेकिन अमेरिका का लगातार प्रतिरोध किया है। किसी भी समाधान के लिए दोनों पक्षों को लचीलापन दिखाना चाहिए, ताकि युद्ध की विभीषिका खत्म हो। तभी विश्व की आपूर्ति श्रृंखला को सामान्य बनाया जा सकता है।

यूसीसीः मसौदे के बिना परामर्श या परामर्श के बिना मसौदा?

भूपेन्द्र गुप्ता

(लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं)

समान नागरिक संहिता भारत के संवैधानिक विमर्श के सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषयों में से एक है। संविधान के अनुच्छेद 44 में इसका उल्लेख राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत के रूप में किया गया है और दशकों से यह राजनीतिक तथा वैचारिक बहस का विषय रहा है। किंतु यूसीसी पर चल रही चर्चा का एक ऐसा पहलू है जिस पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया गया है-क्या सरकार को जनता और संगठनों से सुझाव मांगने से पहले कानून का मसौदा सार्वजनिक करना चाहिए था?

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में परामर्श की प्रक्रिया का उद्देश्य केवल राय इकट्ठा करना नहीं होता, बल्कि नागरिकों को नीति-निर्माण में सार्थक भागीदारी का अवसर देना भी होता है। यह भागीदारी तभी प्रभावी हो सकती है जब नागरिकों के सामने विचाराधीन प्रस्ताव का स्वरूप स्पष्ट हो। यदि लोगों को यह ही न मालूम हो कि प्रस्तावित कानून में क्या प्रावधान होंगे, किन परंपराओं को समाप्त किया जाएगा, किन्हें संरक्षित रखा जाएगा और किन मामलों में अपवाद दिए जाएंगे, तो उनके सुझाव कितने सार्थक हो सकते हैं?

यूसीसी के संदर्भ में यही सबसे बड़ी समस्या दिखाई देती है। जनता से व्यापक सुझाव मांगे गए हैं, लेकिन लंबे समय तक यह स्पष्ट नहीं किया गया कि प्रस्तावित संहिता का वास्तविक स्वरूप क्या होगा। परिणामस्वरूप, चर्चा एक ठोस विधायी प्रस्ताव के बजाय आशंकाओं, अनुमानों और राजनीतिक नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। कोई इसे लैंगिक न्याय का उपकरण मानता रहा, तो कोई सांस्कृतिक विविधता पर आघात। लेकिन दोनों पक्षों के पास चर्चा के लिए कोई आधिकारिक मसौदा उपलब्ध नहीं था। विधायी प्रक्रिया की स्थापित परंपराओं पर नजर डालें तो अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में बड़े और व्यापक प्रभाव वाले कानूनों के लिए पहले एक मसौदा या विचार-पत्र जारी किया जाता है। इसके बाद नागरिकों, विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों और प्रभावित समुदायों से टिप्पणियां आमंत्रित की जाती हैं। इससे बहस भावनाओं के बजाय प्रावधानों पर केंद्रित रहती है। लोग यह बता सकते हैं कि किसी विशेष धारा का क्या प्रभाव होगा, उसमें क्या संशोधन अपेक्षित हैं और उसके क्या अनपेक्षित परिणाम हो सकते हैं। मध्यप्रदेश में ऐसा नहीं हुआ। उदाहरण के लिए, भारत के विभिन्न हिस्सों में केवल धर्मों के बीच ही नहीं, बल्कि एक ही धर्म के भीतर भी अनेक प्रकार की वैवाहिक और पारिवारिक परंपराएं प्रचलित हैं। मध्य प्रदेश सहित देश के कई क्षेत्रों में जनजातीय समुदायों की विशिष्ट विवाह प्रणालियां और उत्तराधिकार संबंधी प्रथाएं हैं। यदि यूसीसी लागू होगा तो क्या इन परंपराओं को समाप्त कर दिया जाएगा? क्या अनुसूचित जनजातियों को अपवाद मिलेगा? क्या गोवा मॉडल अपनाया जाएगा या कोई नया ढांचा बनेगा? इन प्रश्नों के उत्तर जाने बिना सुझाव मांगना कुछ वैसा ही है जैसे किसी भवन के निर्माण पर राय मांग ली जाए लेकिन उसका नक्शा दिखाया ही न जाए।

इस स्थिति ने एक विचित्र विरोधाभास पैदा किया है। सरकार कहती रही कि वह सभी पक्षों की राय सुनना चाहती है, जबकि नागरिक और संगठन पूछते रहे कि आखिर किस प्रस्ताव पर राय दी जाए। परिणामस्वरूप, परामर्श की प्रक्रिया ठोस विधायी विमर्श के बजाय वैचारिक समर्थन और विरोध की गणना में बदलने का खतरा पैदा करती है। यह तर्क दिया जा सकता है कि मसौदा तैयार करने से पहले सुझाव लेना भी एक वैध प्रक्रिया है। इससे सरकार को विभिन्न समुदायों की चिंताओं और अपेक्षाओं को समझने का अवसर मिलता है। यह तर्क अपने स्थान पर कुछ हद तक उचित हो सकता है। लेकिन यूसीसी जैसा जटिल विषय केवल सामान्य सुझावों के आधार पर नहीं सुलझ सकता। यहां समस्या यह है कि बिना मसौदे के प्राप्त सुझाव अक्सर इतने व्यापक और परस्पर विरोधी होते हैं कि उनसे किसी स्पष्ट कानूनी दिशा का निर्धारण कठिन हो जाता है।

लोकतंत्र में केवल लोगों की राय लेना पर्याप्त नहीं है; लोगों को सूचित राय देने का अवसर देना भी उतना ही आवश्यक है। यदि सरकार वास्तव में व्यापक सहमति बनाना चाहती है, तो उसे पहले कम-से-कम एक विस्तृत अवधारणा-पत्र या प्रारंभिक मसौदा जारी करना चाहिए था। उसमें यह स्पष्ट किया जा सकता था कि विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने, जनजातीय प्रथाओं और धार्मिक परंपराओं के संबंध में प्रस्तावित व्यवस्था क्या होगी। इसके बाद प्राप्त सुझाव अधिक तथ्याधारित, उपयोगी और रचनात्मक होते। मेरे एक हिंदु पत्रकार मित्र ने एक समस्या सामने रखी कि मान लो कि मौसी या मामा की बेटी से विवाह अवैध माना जाये और एक मुस्लिम मामा की बेटी से शादी कर ले और दक्षिण का एक हिंदु भी ऐसा ही कर ले तब यूसीसी इसे कैसे डील करेगा। किसका विवाह अवैध घोषित करेगा?

इसलिए यूसीसी का प्रश्न केवल कानून का प्रश्न नहीं है; यह भारत की विविधता, समानता, सांस्कृतिक अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन का प्रश्न है। ऐसे विषय पर परामर्श की प्रक्रिया जितनी पारदर्शी और स्पष्ट होगी, उसका परिणाम उतना ही व्यापक रूप से स्वीकार्य होगा। इसलिए यूसीसी पर सबसे प्रासंगिक प्रश्न शायद यह नहीं है कि देश को समान नागरिक संहिता चाहिए या नहीं। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या इतने व्यापक प्रभाव वाले कानून पर जनता से राय मांगने से पहले सरकार को अपना प्रस्तावित खाका सार्वजनिक नहीं करना चाहिए था? लोकतंत्र में परामर्श का वास्तविक अर्थ तभी है जब नागरिकों को यह पता हो कि वे किस विषय पर अपनी राय दे रहे हैं। अन्यथा परामर्श, सहभागिता का माध्यम कम और औपचारिकता अधिक बनकर रह जाता है और नीयत पर संशय बना रहता है।

युवाओं को जीवटता से जीने की सीख मिले

आज देश के लाखों परिवार अपने बच्चों की सफलता के सपने कोचिंग संस्थानों के भरोसे बुन रहे हैं। डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने की आकांक्षा में किशोर उम्र से ही बच्चे ऐसी प्रतिस्पर्धा में उतर जाते हैं, जहां हर परीक्षा भविष्य का फैसला और हर रैंक पहचान का पैमाना बन जाती है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सीमित अवसरों और सामाजिक अपेक्षाओं ने कोचिंग संस्कृति को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। लेकिन इस चमकदार सफलता के पीछे एक दूसरा सच भी छिपा है, जिसमें बढ़ता मानसिक दबाव, सिमटता बचपन और अंकों तक सीमित होती शिक्षा शामिल है। तो क्या हम युवाओं को जीवन के लिए शिक्षित कर रहे हैं या केवल परीक्षाओं के लिए तैयार कर रहे हैं? भारत दुनिया के सबसे अधिक युवाओं वाले देशों में शामिल है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह स्थिति भारत को जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर देती है, लेकिन इसके साथ एक बड़ी चुनौती भी जुड़ी हुई है। हर वर्ष करोड़ों युवा उच्च शिक्षा और रोजगार के सीमित अवसरों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। वर्ष 2025 में जेईई मेन परीक्षा में करीब 15 लाख विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जबकि आईआईटी में सीटें लगभग 20 हजार हैं। इसी प्रकार सरकारी मेडिकल कॉलेजों की एक लाख से कम सीटों के लिए लगभग 25 लाख अभ्यर्थियों ने नीट यूजी परीक्षा दी। ये आंकड़े बताते हैं कि प्रतियोगिता अब केवल कठिन नहीं, बल्कि अत्यधिक तीव्र और तनावपूर्ण हो चुकी है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार भारत का कोचिंग उद्योग 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद और प्रयागराज जैसे शहर प्रमुख कोचिंग केंद्र बन गए हैं। हजारों विद्यार्थी घरों से दूर रहकर तैयारी करते हैं और अनेक परिवार अपनी बचत का बड़ा हिस्सा इस पर खर्च कर देते हैं। शिक्षा अब ऐसा निवेश बनती जा रही है, जिसके बदले सफलता की कोई निश्चित गारंटी नहीं होती। कोचिंग संस्थानों ने अनेक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और

विवेक शर्मा

(वरिष्ठ पत्रकार)

प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराया है। छोटे शहरों के कई छात्रों ने इनके माध्यम से राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। लेकिन इसके साथ डमी एडमिशन जैसी प्रवृत्ति भी बढ़ी है। इससे खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास के अवसर सीमित हो जाते हैं। इस पूरी व्यवस्था का सबसे गंभीर असर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर दिखाई देता है। नियमित टेस्ट, रैंकिंग, प्रदर्शन की तुलना और लगातार बेहतर करने का दबाव बच्चों को मानसिक रूप से थका देता है। असफलता का भय उन्हें चिंता, तनाव और अवसाद की ओर धकेलता है। कई विद्यार्थियों को यह महसूस होने लगता है कि उनका पूरा भविष्य एक परीक्षा के परिणाम पर निर्भर है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। सफलता की यह दौड़ कई बार युवाओं के लिए असहनीय बोझ बन जाती है। हालांकि इस स्थिति के लिए केवल कोचिंग संस्थानों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अभिभावकों और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अधिकांश माता-पिता बच्चों का भविष्य सुरक्षित देखना चाहते हैं, लेकिन कई बार उनकी अपेक्षाएं अनजाने में दबाव का कारण बन जाती हैं। हमारे समाज में आज भी डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने को ही सफलता का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता है। परिणामस्वरूप अनेक विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के बजाय सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप करियर चुनने के लिए विवश हो जाते हैं। वास्तविकता यह है कि नई अर्थव्यवस्था ने अवसरों के अनेक नए द्वार खोले हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मीडिया और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में तेजी से संभावनाएं बढ़ रही हैं। युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। कोचिंग संस्कृति का बढ़ता प्रभाव हमारी औपचारिक शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि स्कूल विद्यार्थियों को मजबूत शैक्षणिक आधार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और तार्किक समझ प्रदान कर पा रहे होते, तो कोचिंग की आवश्यकता इतनी व्यापक नहीं होती। स्कूलों में शिक्षकों की कमी, रटने पर आधारित शिक्षा और व्यावहारिक ज्ञान की उपेक्षा ने इस निर्भरता को बढ़ाया है। नई शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने की दिशा में पहल की है, लेकिन उसके प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है। आज जरूरत शिक्षा व्यवस्था में संतुलन स्थापित करने में है। स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार, प्रभावी करियर परामर्श, अभिभावकों में जागरूकता और सफलता की व्यापक परिभाषा विकसित करना समय की मांग है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे आत्मविश्वासी, संवेदनशील और रचनात्मक नागरिक तैयार करना है जो बदलती दुनिया की चुनौतियों का सामना कर सकें। किसी भी समाज का भविष्य अंततः उन युवाओं पर निर्भर करता है जो संतुलित, मानवीय और जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने वाले भी हों।

संक्षिप्त समाचार

विधायक सिकरवार ने किया नव नियुक्त मडंल अध्यक्षों का स्वागत

ग्वालियर। कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने ललितपुर कॉलोनी स्थित कार्यालय पर ग्वालियर पूर्व विधानसभा में कांग्रेस के नव नियुक्त मंडल अध्यक्षों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जिम्मेदारी सौंपी है मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, राजेश तोमर, रेखा जाटव, अनूप शिवहरे, संदीप यादव, एमआईसी सदस्य अवधेश कौरव, पार्षद अंकित कट्ठल, रामअवतार जाटव, कल्लू तोमर, अलाउद्दीन, विजय बहादुर त्यागी आदि मौजूद रहे।

वायु गुणवत्ता सर्वे के लिए आईईसी सदस्यों को दिया प्रशिक्षण

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एन-कैप) के अंतर्गत वार्ड स्तर पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) संबंधी जानकारी एकत्रित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की परामर्शदाता दीपाली पांडे ने स्वच्छ भारत मिशन के आईईसी सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षण में वार्डवार सर्वेक्षण के लिए निर्धारित प्रपत्र के अनुसार जानकारी संकलित करने को कहा गया। इसमें घरों की संख्या, उपयोग किए जाने वाले ईंधन, विद्यार्थियों की संख्या, कचरा संग्रहण एवं निस्तारण स्थल, सफाई कर्मचारियों की उपलब्धता, प्रदूषण नियंत्रण उपाय, कचरा जलाने वाले स्थलों तथा निर्माण एवं ध्वस्तीकरण अपशिष्ट (सी एंड डी) संग्रहण स्थलों की जानकारी शामिल होगी।

क्षेत्र क्रमांक-23 का अतिरिक्त प्रभार रजत को

ग्वालियर। नगर निगम के कार्यों के सुचारु संचालन एवं प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से निगम आयुक्त संघ प्रिय ने उपयंत्री रजत पचोरिया को क्षेत्र क्रमांक-23 के क्षेत्राधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। वे क्षेत्र में विकास, स्वच्छता एवं जनसुविधाओं से जुड़ी गतिविधियों की निगरानी और समन्वय भी सुनिश्चित करेंगे।

पुण्यतिथि पर संजय गांधी को किया याद

ग्वालियर। कांग्रेस के पूर्व महासचिव स्व. संजय गांधी की 46वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने जयेन्द्रगंज स्थित संजय कॉम्पलेक्स में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर याद किया। कांग्रेसजनों ने स्व. गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह एक ऐसे नेता थे जिन्होंने बहुत कम उम्र में देश की राजनीति में अपनी पहचान बनाई। वे केवल प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुत्र नहीं थे, बल्कि अपने दम पर उन्होंने युवाओं को जोश, सोच और नई दिशा दी। पुण्यतिथि कार्यक्रम में विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, प्रेम सिंह यादव, जेएच जाफरी, हमीद खां उस्मानी, हेवरन सिंह कंसाना, अवधेश कौरव, चतुर्भुज धनोलिया, रामनरेश परमार, महेश मदुरिया, ओमप्रकाश राजपूत, भूपेंद्र तोमर मिक्की, तरूण यादव, राकेश बाथम, रशीद पहलवान, विनोद कुमार जैन, अंकित कट्ठल, जसवंत शेजवार आदि उपस्थित रहे।

निगमायुक्त के निर्देश के बाद मैदान में उतरा अमला

25 से अधिक अवैध धुलाई सेंटरों पर कार्रवाई, उपकरण जब्त कर बंद कराए

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

गर्मी के मौसम में बढ़ते पेयजल संकट को देखते हुए नगर निगम ने अवैध वाहन धुलाई सेंटरों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। गत दिवस निगमायुक्त संघ प्रिय ने समीक्षा बैठक में पानी की बर्बादी रोकने के लिए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद मंगलवार को पीएचई विभाग का अमला शहरभर में मैदान में उतरा और विभिन्न क्षेत्रों में संचालित अवैध धुलाई सेंटरों पर कार्रवाई की।

अधीक्षण यंत्री एसएल बाथम के निर्देशन में हुई कार्रवाई के दौरान घरेलू नल कनेक्शन और बोरिंग के पानी का व्यावसायिक उपयोग कर रहे कई सेंटरों को बंद कराया गया।

अधिकारियों के अनुसार ये सेंटर प्रतिदिन हजारों लीटर पेयजल की बर्बादी कर रहे थे। ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में नौगजा रोड पर संचालित सात धुलाई सेंटरों के कनेक्शन काटे गए और उपकरण जब्त किए गए। वहीं ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में लक्कड़खाना, गुढ़ा पुलिया, शीतला रोड और हुजरात पुल क्षेत्र में 15 से अधिक धुलाई सेंटरों पर कार्रवाई कर उन्हें बंद कराया गया। ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में राघवपुरम, पीएटी चौराहा, मुरार, न्यू गोविंदपुरी और सचिन तेंदुलकर मार्ग पर संचालित कई धुलाई सेंटरों को बंद कराया गया। चेतकपुरी और चंद्रबदनी नाका क्षेत्र में भी कनेक्शन काटने की कार्रवाई की गई।

सड़क पर मलबा डालने वालों पर निगम की कार्रवाई, 14 हजार जुर्माना वसूला

शहर में स्वच्छता और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निगम द्वारा सड़क पर भवन निर्माण सामग्री और निर्माण-ध्वस्तीकरण अपशिष्ट (मलबा) डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को निगम के विभिन्न अमलों ने अलग-अलग क्षेत्रों में निरीक्षण कर कुल 14 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया।

इसमें क्षेत्र क्रमांक-7 के अंतर्गत क्षेत्राधिकारी सतेंद्र सोलंकी ने विनय नगर क्षेत्र में सड़क पर निर्माण संबंधी कचरा पाए जाने पर विभा मिश्रा पर 2 हजार का जुर्माना लगाया। वहीं सराफा बाजार क्षेत्र में दीपक ऐरन द्वारा सड़क पर भवन निर्माण सामग्री और मलबा डालने पर 10 हजार का जुर्माना अधिरोपित किया। इसके अलावा छप्पर वाला पुल क्षेत्र में विष्णु दानोलिया पर सड़क पर निर्माण कचरा डालने के कारण 2 हजार का जुर्माना लगाया गया।

'बेटियों को जिम्मेदार बनाने के लिए कहा जाता था पराया धन'

● सखी संवाद समूह की बैठक आयोजित

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

सखी संवाद समूह की मासिक बैठक एक होटल में आयोजित की गई। जिसमें सभी सदस्यों ने 'बेटी पराया धन' विषय पर अपने विचार रखे।

राजरानी शर्मा ने कडवी बोली मायली मीठे बोले लोग, उडे सजन की देहरी हंसे बटुअवा लोग रचना सुनाते हुए कहा कि पराया धन कहने के पीछे उसे अतिरिक्त लाड दुलार देने की भावना थी,पराया धन तो प्रतीकात्मक रुप से कहा जाता था। रमेश शर्मा ने कहा कि बेटियों को बोझ समझते थे इसलिए उन्हें पराया धन कहते थे। कुसुमलता शर्मा ने कहा कि बेटियां घर का मान है। भाग्यश्री ने कहा कि पराया है पर धन है और सहेजकर रखा जाए इसलिए उसे पराया धन कहते है। सुबोध चतुर्वेदी ने कहा कि बेटियों को जिम्मेदार बनाने की ट्रेनिंग के चलते नब्बे के दशक तक उन्हे पराया धन कहते थे। व्याप्ति उमड़ेकर ने कहा कि अब परिस्थितियां बदल गई हैं। कादंबरी आर्य ने विषय प्रवर्तन किया। वासवदत्ता अग्निहोत्री ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

जिला अस्पताल के मेडिसिन विभाग पर संकट, एक चिकित्सक के भरोसे व्यवस्था

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मुरार जिला अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों की परेशानियां आने वाले दिनों में और बढ़ सकती हैं। अस्पताल के मेडिसिन विभाग में चिकित्सकों की कमी गहरा गई है और अब पूरा विभाग केवल एक चिकित्सक के भरोसे संचालित होगा। ऐसे में ओपीडी, भर्ती वार्ड और आईसीयू जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

जानकारी के अनुसार मुरार जिला अस्पताल में प्रतिदिन एक हजार से अधिक मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे मरीजों की होती है, जो मेडिसिन विभाग में परामर्श और उपचार के लिए आते हैं। सामान्य बुखार, संक्रमण, श्वसन संबंधी बीमारियों, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों का उपचार इसी विभाग में किया जाता है।

अस्पताल के मेडिसिन विभाग में वर्तमान में दो चिकित्सक पदस्थ थे। इनमें डॉ. नरेश लक्ष्यवानी और डॉ. मुकेश तोमर शामिल हैं। लेकिन मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ. सीमा जायसवाल द्वारा डॉ. नरेश लक्ष्यवानी का अटैचमेंट सिविल डिस्पेंसरी न्यू हाई कोर्ट में कर दिया गया। इसके बाद जिला अस्पताल के मेडिसिन विभाग में केवल डॉ. मुकेश तोमर ही सेवाएं देने के लिए रह गए हैं।

जबकि मेडिसिन विभाग के चिकित्सकों की जिम्मेदारी केवल ओपीडी तक सीमित नहीं रहती। उन्हें भर्ती मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग, आईसीयू में गंभीर मरीजों की देखरेख, आपातकालीन परामर्श और विभिन्न वार्डों में चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध करानी होती हैं। ऐसे में पूरे विभाग का संचालन अकेले एक चिकित्सक के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

जीवाजी विवि की प्रवेश परीक्षा

1500 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा, काउंसिलिंग þAKÂ

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए मंगलवार को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा सुबह 11 से दोपहर 2 बजे के बीच आयोजित की गई थी, लेकिन अंचल भर से आए परीक्षार्थियों की वजह से सुबह से ही परिसर में हलचल थी। परीक्षा में 1750 विद्यार्थी पंजीकृत थे, लेकिन इनमें से 1500 विद्यार्थी ही परीक्षा देने के लिए पहुंचे। अब परीक्षा परिणाम जारी होने के साथ ही काउंसिलिंग शुरू कर दी जाएगी।

विवि परिसर में सुबह से ही अभ्यर्थियों की चहल-पहल देखने को मिली। ग्वालियर सहित भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया और डबरा समेत कई जिलों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी परीक्षा देने पहुंचे। करीब 1500 अभ्यर्थियों ने बीसीए, बीबीए, बीकॉम, बीए एलएलबी, बीएससी एग्रीकल्चर और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा दी। शामिल हुए विद्यार्थियों में स्नातक के 913 और स्नातकोत्तर के 587 विद्यार्थी शामिल हुए हैं। सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक ईस्ट कैंपस स्थित पांच परीक्षा केंद्रों-परीक्षा भवन, प्रबंधन अध्ययन संस्थान, फार्मेसी विभाग, लॉ विभाग और इंजीनियरिंग भवन में परीक्षा आयोजित की गई। केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र और पहचान पत्रों की जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बाहर ही जमा कराए गए। परीक्षा संपन्न होने के बाद अब प्रवेश प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। विवि बुधवार को सुबह परिणाम जारी करने के साथ ही अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में सुबह 10 बजे से काउंसिलिंग शुरू करेगा। अभ्यर्थियों को सभी मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा, जबकि प्रवेश शुल्क ऑनलाइन माध्यम से जमा कराया जाएगा। लंबे समय बाद आयोजित हुई प्रवेश परीक्षा और उसी के तुरंत बाद शुरू हो रही काउंसलिंग को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल है।

काउंसिलिंग में 10 हजार रुपए को लेकर असमंजस

जीवाजी विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के लिए जारी प्रवेश पत्र में काउंसिलिंग के दौरान अभ्यर्थियों को 10 हजार रुपए साथ लाने का उल्लेख किए जाने पर असमंजस की स्थिति बन गई है। इस निर्देश को लेकर कुछ पीजी कोर्स एवं एससी-एसटी वर्ग के छात्र- छात्राओं ने आपत्ति जताई है, जिस पर प्रवेश समिति के सदस्य प्रो. राजेंद्र कुमार खटीक ने अपना मत दिया कि पीजी के कुछ विषय जैसे एमए और एमकॉम की कुल फीस ही 10 हजार रुपए से कम है तो उन्हें विषय अनुसार ही फीस देना होगी। एससी-एसटी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शासन के नियमानुसार प्रवेश के समय केवल निर्धारित कौशल मनी ही देना होगी। यह फीस केवल मध्यप्रदेश के एससी एवं एसटी के छात्र-छात्राओं पर लागू होगी। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को बुधवार को होने वाली काउंसिलिंग के दौरान प्रवेश समिति और विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखकर कम कराएंगे। चूंकि मुझे मंगलवार शाम को ही प्रवेश समिति में शामिल किए जाने का पत्र प्राप्त हुआ था, जिसके बाद शाम को ही विषय सामने आया है।

'विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का विकास भी शिक्षक की जिम्मेदारी'

शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, मुरार में संदीपनि विद्यालयों के कक्षा 6 से 9वीं तक हिंदी, गणित एवं अंग्रेजी विषय पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। यह प्रशिक्षण 25 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में ग्वालियर संभाग के 47 संदीपनि विद्यालयों में से हिंदी विषय के 38, अंग्रेजी विषय के 38 तथा गणित विषय के 46 विद्यालयों के शिक्षकों ने सहभागिता की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग, भोपाल तथा कार्यालय संयुक्त संचालक, ग्वालियर संभाग के तत्वावधान में किया जा रहा है। इसमें भोपाल की सहयोगी संस्था

पीपलके विशेषज्ञ सहजकर्ताओं द्वारा शिक्षकों को नवीन शिक्षण पद्धतियों एवं प्रभावी कक्षा संचालन संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर एडीपीसी डॉ. सर्वेश कुमार दीक्षित ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक शिक्षक के रूप में हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति के साथ-साथ उनके नैतिक, सामाजिक एवं व्यवहारिक मूल्यों के विकास पर भी कार्य करना है, जिससे वे अपनी तथा राष्ट्र की प्रगति के सशक्त आधार बन सकें।

तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र विद्यालयों में उपयोग की जा रही पाठ्यपुस्तकें हैं। हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित तीनों विषयों की पाठ्य पुस्तकों को आधार बनाकर इस बात पर विस्तृत चर्चा की जा रही है कि पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने हेतु पाठ्यपुस्तकों पर प्रभावी एवं योजनाबद्ध तरीके से कैसे कार्य किया जाए। इसके साथ ही पाठ्यपुस्तकों के अध्यायों को कक्षा में रोचक एवं सहभागितापूर्ण ढंग से पढ़ाने के लिए तीनों विषयों में विशेष डेमो सत्र भी तैयार किए गए हैं, जिनके माध्यम से शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान भाषा शिक्षण पर विशेष बल देते हुए शिक्षकों से चर्चा की गई कि विद्यार्थियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करते हुए हिंदी एवं अंग्रेजी विषय को किस प्रकार रोचक बनाया जाए। अंग्रेजी विषय के प्रति विद्यार्थियों में व्याप्त भय को दूर करने तथा भाषा सीखने की विभिन्न शिक्षण पद्धतियों एवं दृष्टिकोणों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। गणित विषय के सत्रों में इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि गणित जैसे जटिल विषय को सरल, रोचक एवं आनंददायक तरीके से विद्यार्थियों तक कैसे पहुंचाया जाए, जिससे उनमें तार्किक चिंतन, विश्लेषण और समस्या-समाधान की क्षमता का विकास हो सके। प्रशिक्षकों ने शिक्षकों से कहा कि उनका उद्देश्य केवल यह नहीं होना चाहिए कि उन्होंने क्या पढ़ाया, बल्कि यह होना चाहिए कि किसी अवधारणा को विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से कैसे पहुंचाया गया।कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक संयुक्त संचालक कार्यालय से अरविंद सिंह एवं प्रदीप मांझी विशेषरूप से उपस्थित रहे।

शक्ति, भक्ति और राष्ट्रनिष्ठा का संगम बना बजरंग दल का साप्ताहिक मिलन

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

बजरंग दल द्वारा साप्ताहिक मिलन केंद्र का आयोजन मंगलवार को रात्रि 8 बजे गोरखी स्काउट चौराहा स्थित श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पर किया गया। जिसमें धर्मप्रेमी बंधुओं, मातृशक्ति एवं युवाओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर धर्म और राष्ट्र के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से हुई। इसके बाद महाआरती का आयोजन किया गया। तत्पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। पूरे परिसर में जय श्रीराम और बजरंगबली के जयघोषों से भक्तिमय वातावरण निर्मित हो गया।

बजरंग दल के प्रांत साप्ताहिक मिलन प्रमुख मनोज रजक ने कहा कि भगवान श्री हनुमान जी शक्ति,भक्ति,सेवा, समर्पण एवं राष्ट्रनिष्ठा के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें धर्म की रक्षा, समाज सेवा तथा राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक मिलन केंद्र के माध्यम से युवाओं में संगठनात्मक चेतना, संस्कार एवं राष्ट्रभक्ति का भाव जागृत किया जाता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रवि राज लुडेले, दीपक मांझी, नीरज ऊचिया, दीपक यादव, नरेंद्र यादव, देव गोड़िया, सोनू गोड़िया, लखन रजक, दीपक जाटव, लक्ष्य मराठा, दीपक पाल, चिरान सोनी, रचित वर्मा, दीपक कुशवाह, हिमांशु रानोदे, बंटू रजक, सत्यम प्रजापति, शिवा कुशवाह, हितेश रजक, कुश पाल, संजय माहौर, संजय केन, प्रदीप जैन, रामबाबू गर्ग, पंकज शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

डीजल-पेट्रोल का असर

किराना, मेवा, मसाले और घरेलू सामान के दामों में उछाल

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

डीजल और पेट्रोल की बढ़ती कीमतों का असर अब आम लोगों की रसोई और घरेलू बजट पर साफ दिखाई देने लगा है। परिवहन लागत बढ़ने के कारण किराना सामग्री, मेवा-मसाले, प्लास्टिक और दैनिक उपयोग के कई घरेलू सामानों के दामों में लगातार वृद्धि हो रही है। व्यापारियों के अनुसार पिछले एक माह में कई आवश्यक वस्तुओं के दाम 10 से 30 रुपए तक बढ़े हैं, जबकि सूखे मेवों और मसालों में 100 से 150 रुपए प्रति किलो तक की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

व्यापारियों के अनुसार, माल ढुलाई की लागत बढ़ने के कारण विभिन्न राज्यों से आने वाले खाद्य उत्पादों और घरेलू सामानों की कीमतों में 5 से 15 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। इसका सबसे अधिक असर दाल, तेल, मसाले, सूखे मेवे, साबुन, फिनायल, डिटर्जेंट और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर पड़ा है। थोक बाजार से लेकर खुदरा दुकानों तक कीमतों में आई तेजी ने गृहिणियों और मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है।

मेवा के बढ़ते हुए दाम

मेवा	पूर्व दाम	नए दाम
काजू	850	950
बादाम	850	950-1000
मखाना	1100	1200
छुआरा	200	300
पिस्ता	2500	3000
अखरोट	600	700

चावल, तेल और शक्कर महंगे

खाद्य पदार्थों में भी कीमतों का असर देखने को मिल रहा है। चावल के दाम 55 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 60 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। सरसों तेल की कीमत 160 से बढ़कर 170 रुपए प्रति लीटर हो गई है। शक्कर भी 42 से बढ़कर 47 रुपए किलो हो गई है। जिससे रसोई का बजट और प्रभावित हुआ है। व्यापारियों का कहना है कि डीजल-पेट्रोल महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है। विभिन्न शहरों और मंडियों से आने वाली सामग्री पर परिवहन खर्च बढ़ने का सीधा असर खुदरा कीमतों पर पड़ रहा है। वहीं हल्दी, मिर्च, धनिया और गरम मसाला जैसे उत्पाद भी पहले की तुलना में महंगे बिक रहे हैं। गृहिणियों का कहना है कि पहले जिस राशि में महीने भर का राशन आसानी से आ जाता था, अब उसी बजट में जरूरी सामान खरीदना मुश्किल हो गया है। कई परिवारों ने खर्च नियंत्रित करने के लिए गैर-जरूरी वस्तुओं की खरीद में कटौती शुरू कर दी है।

फिनायल और फूल झाड़ू भी महंगे हुए

किराना व्यापारियों के अनुसार घरेलू उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में भी तेजी आई है। पहले 70 रुपए में मिलने वाला फूल झाड़ू 70 से बढ़कर 80 से 90 रुपए तक पहुंच गया है। पांच लीटर फिनायल जो पहले 170 रुपए में मिलता था, अब 200 रुपए से अधिक में बिक रहा है।

इनका कहना है

पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से खाद्य पदार्थों में तेजी आई है, क्योंकि माल भाड़ा भी पहले की अपेक्षा अधिक बढ़ गया है। आने वाले समय में दामों के और बढ़ने की संभावना है।

महेन्द्र पंजवानी
किराना कारोबारी

'मिलन एवं संवाद' से मिल रहा उत्कृष्ट वातावरण

ग्वालियर। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कारयुक्त वातावरण एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पार्वती विद्यापीठ में 'मिलन एवं संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के प्रबुद्ध नागरिकों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों एवं अभिभावकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान शिक्षाविद् डॉ. नीलम महिन्द्रा ने कहा कि पार्वती विद्यापीठ का सुव्यवस्थित एवं विशाल परिसर तथा यहां उपलब्ध संसाधन वास्तव में अनुकरणीय हैं। विजेता सिंह चौहान ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसा शैक्षणिक वातावरण मिलना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्य भारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र बांदिल ने कहा कि पार्वती विद्यापीठ की स्थापना समाज में संस्कारयुक्त वातावरण के निर्माण और अभिभावकों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर की गई है। विद्यालय में नई शिक्षा नीति के अनुरूप गतिविधि-आधारित, मूल्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मध्य भारत शिक्षा समिति के सचिव डॉ. राजेन्द्र वैद्य, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. प्रदीप वाजपेयी एवं पार्वती विद्यापीठ के शासकीय निकाय अध्यक्ष डॉ. रविकांत द्विवेदी, प्राचार्य डॉ. नरेश त्यागी, डॉ. शिवकुमार शर्मा, डॉ. नीति पाण्डे, कल्पना करकरे, अश्विनी गोरे, जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। संचालन अर्चना शर्मा एवं आभार अनीता सिंह ने व्यक्त किया।

नींद की कमी से कमजोर हो रहा है दिमाग का 'ब्लड-ब्रेन बैरियर'

हम सभी जानते हैं कि अच्छी सेहत के लिए एक सुकून भरी नींद लेना कितना जरूरी है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ठीक से न सो पाना आपके दिमाग को कितनी गहराई तक नुकसान पहुंचा सकता है? हाल ही में हुए एक अध्ययन में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि नींद में बार-बार खलल पड़ने से हमारे दिमाग के 'ब्लड-ब्रेन बैरियर' को भारी नुकसान पहुंचता है।

दिमाग का 'सिक्योरिटी गार्ड' है ब्लड-ब्रेन बैरियर

'ब्लड-ब्रेन बैरियर' को आप अपने दिमाग का एक बेहद चुस्त सिक्योरिटी गार्ड या एक खास फिल्टर मान सकते हैं। यह दिमाग की रक्त वाहिकाओं के चारों ओर कोशिकाओं की एक परत होती है।

इसका काम क्या है?

यह बहुत ही चुनिंदा चीजों को ही अंदर जाने देता है। यह दिमाग तक जरूरी ऑक्सीजन और पोषक तत्व तो पहुंचाता है, लेकिन खतरनाक बैक्टीरिया, विषैले पदार्थों और ज्यादातर दवाइयों को बाहर ही रोक देता है। इस तरह यह हमारे दिमाग को गंभीर नुकसान से बचाता है।

नींद में खलल पड़ने से क्या होता है असर?

'लैबमेड डिस्कवरी' पत्रिका में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक, जब हमारी नींद पूरी नहीं होती या उसमें बाधा आती है, तो इस बैरियर को नुकसान पहुंचता है। शंघाई जिओ टोंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया है कि इस बैरियर के डैमेज होने का सीधा संबंध हमारी सोचने-समझने की क्षमता में कमी से है। इसके कारण अल्जाइमर जैसी बीमारी और दिमाग की नसों को प्रभावित करने वाली कई अन्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे कमजोर पड़ता है यह बैरियर?

शोधकर्ताओं ने बताया कि जब ब्लड-ब्रेन बैरियर को नुकसान पहुंचता है, तो दो मुख्य परेशानियां होती हैं।

- **बढ़ी हुई पारगम्यता:** कोशिकाओं के बीच की जगह से पानी, आयन और छोटे अणुओं की आवाजाही जरूरत से ज्यादा बढ़ जाती है।
- **सफाई में रुकावट:** दिमाग से बेकार पदार्थों को बाहर निकालने की प्रक्रिया में बाधा आती है।

इस नुकसान के पीछे मुख्य रूप से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, न्यूरोइन्फ्लेमेशन और आंत के माइक्रोबायोम का असंतुलन जैसे कारण शामिल पाए गए हैं।

सोने-जागने का बिगड़ा हुआ चक्र भी है जिम्मेदार

हमारे शरीर की एक अपनी घड़ी होती है, जिसे सर्केडियन रिदम कहते हैं। जब सोने और जागने के इस प्राकृतिक चक्र का तालमेल बिगड़ जाता है, तो यह भी ब्लड-ब्रेन बैरियर को तोड़ने का काम करता है। इसके अलावा, नींद से जुड़ी एक खास बीमारी - ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के कारण भी इस बैरियर को नुकसान पहुंचने के प्रमाण मिले हैं।

याददाश्त पर सीधा असर

दिमाग का वह हिस्सा जो हमारी याददाश्त से जुड़ा होता है, उसे 'हिप्पोकैंपस' कहते हैं। अध्ययन में यह बात सामने आई है कि अगर हिप्पोकैंपस में ब्लड-ब्रेन बैरियर टूटता है, तो यह साफ तौर पर हमारी याद रखने और सोचने-समझने की क्षमता में कमी का संकेत हो सकता है।

सांस लेने के ये तीन तरीके बढ़ाएंगे सुकून

तनाव के क्षणों में सांसें तेज चलने लगती हैं। जब हम अपनी सांसों की गति धीमी करते हैं, तब दिमाग को यह संकेत भेजते हैं कि हम सुरक्षित हैं। अपनी सांसों को महसूस करना, मन को शांत कर देता है। अगली बार तनाव बढ़े तो इन्हें आजमाएं-

1. बॉक्स ब्रीदिंग

तन और मन को शांत करने वाली यह सबसे आसान और असरदार तकनीकों में से एक है। दबाव की स्थिति में खुद को केंद्रित रखने के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल खिलाड़ी, वक्ता, लेखक और यहां तक कि सैन्यकर्मी भी करते हैं।

विधि: 4 सेकंड तक नाक से सांस अंदर लें, 4 सेकंड तक सांस को रोककर रखें और फिर 4 सेकंड तक मुंह से सांस बाहर छोड़ें। इसके बाद फिर से 4 सेकंड तक सांस रोके रखें। इस चक्र को कई बार दोहराएं। जैसे ही आप इसे लगातार करेंगे, तो महसूस करेंगे कि धड़कनें धीमी हो रही हैं। विचार शांत हो रहे हैं।

2. लंबी आह भरना

कभी-कभी तनाव बहुत तेजी से बढ़ता है। ऐसे में खुद को काबू में रखने के लिए तुरंत 'फिजियोलॉजिकल साइ' यानी लंबी आह भरना राहत देता है।

विधि: नाक से एक गहरी सांस अंदर लें। फेफड़ों को पूरी तरह फैलाने के लिए नाक से ही एक और छोटी व तेज सांस अंदर लें। अब मुंह से एक लंबी आह भरते हुए धीरे-धीरे सांस बाहर छोड़ें। यह तकनीक शरीर में जमे हुए तनाव को बाहर निकालने में मदद करती है। कई बार एक या दो बार ऐसा करने पर ही राहत महसूस होने लगती है।

3. फाइव-फिंगर ब्रीदिंग

इसमें सांसों की प्रक्रिया के साथ हाथों की हल्की हलचल भी शामिल होती है। इसे तब करें, जब दिमाग बहुत भटका हुआ या बेचैन महसूस हो।

विधि: एक हाथ को सामने सीधा खोलकर रखें। दूसरे हाथ की तर्जनी का उपयोग करके खुली हुई हथेली की सीमा के चारों ओर घुमाएं। जैसे ही आप किसी उंगली पर ऊपर की ओर बढ़ें, धीरे-धीरे सांस अंदर लें और जब आप उंगली से नीचे की ओर आएं, धीरे-धीरे सांस बाहर छोड़ें। इसी तरह सभी पांचों उंगलियों पर उंगली घुमाते रहें।

यह तकनीक एक साथ कई इंद्रियों को सक्रिय करती है। आप अपनी सांस, हाथों की हलचल और स्पर्श के एहसास पर ध्यान लगाते हैं। फालतू विचारों से दिमाग को आराम मिलता है और आप वर्तमान में लौट आते हैं।

आयरन हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्वों में से एक है। यह हीमोग्लोबिन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो शरीर के विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। जब शरीर में आयरन की कमी हो जाती है, तो थकान, कमजोरी, चक्कर आना, सांस फूलना और एनीमिया जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

आमतौर पर लोग मानते हैं कि आयरन केवल नॉन-वेज फूड्स से मिलता है, लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है। कई शाकाहारी खाद्य पदार्थ भी आयरन से भरपूर होते हैं और नियमित रूप से इन्हें डाइट में शामिल करके आयरन की जरूरत पूरी की जा सकती है।

पालक

- पालक को आयरन से भरपूर सबसे लोकप्रिय हरी सब्जियों में गिना जाता है।
- इसमें आयरन के अलावा फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम और कई एंटीऑक्सीडेंट्स भी मौजूद होते हैं।
- नियमित रूप से पालक का सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है।
- पालक में मौजूद विटामिन सी आयरन के अवशोषण को भी बढ़ावा देता है।
- इसे सब्जी, सूप, स्मूदी या जूस के रूप में डाइट में शामिल किया जा सकता है।

काले चने

- काले चने शाकाहारी लोगों के लिए आयरन का बेहतरीन स्रोत माने जाते हैं।
- इनमें आयरन के साथ प्रोटीन, फाइबर और कई जरूरी मिनरल्स भी पाए जाते हैं।
- अंकुरित चना खाने से इसके पोषक तत्वों की उपलब्धता और बढ़ जाती है।
- नियमित रूप से चना खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और आयरन की कमी से होने वाली कमजोरी को दूर करने में मदद मिल सकती है।
- इसे सलाद, चाट या उबालकर नाश्ते में खाया जा सकता है।

सोयाबीन

- सोयाबीन को प्रोटीन और आयरन का पावरहाउस कहा जाता है।
- यह खासकर शाकाहारी लोगों के लिए बेहद फायदेमंद खाद्य पदार्थ है।
- सोयाबीन में मौजूद आयरन शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है।
- इसमें प्रोटीन, फाइबर और कई आवश्यक अमीनो एसिड भी पाए जाते हैं।
- सोया चंक्स, सोया दूध या सोयाबीन की सब्जी के रूप में इसका सेवन किया जा सकता है।

10000 कदम चलने से टलेगी डायबिटीज-हार्ट डिजीज

रोजाना वॉक करना आपकी सेहत के लिए बेहतर माना जाता है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट्स लोगों को दिनभर में करीब 10000 कदम चलने की सलाह देते हैं। पैदल चलने से कैलोरी बर्न होने में मदद मिलती है और यह आपके हार्ट, बोन्स, मसल्स और मेंटल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। रोजाना लंबी वॉक से मोटापा और डायबिटीज 2 जैसी बीमारियों का जोखिम कम होता है।

ऑफिस में रोजाना के काम के बीच लोगों को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने का समय ही नहीं मिल पाता है। दरअसल, काम के बढ़ते घंटों और करियर ग्रोथ के लिए कुछ लोग ऑफिस के साथ ही अपने काम को घर पर भी लेकर चले जाते हैं। इसका सीधा असर उनकी फिजीकल और मेंटल हेल्थ पर पड़ता है। यही वजह है कि आज के दौर में हेल्थ एक्सपर्ट्स व्यस्त दिनचर्या वाले लोगों को मांसपेशियों और हड्डियों के समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए रोजाना 10000 कदम चलने की सलाह देते हैं।

डॉ. गौरव ठकराल (एसोशिएट डायरेक्टर ऑर्थोपेडिक्स विद जॉइंट रिप्लेसमेंट एंड स्पोर्ट्स मेडिसिन) बताते हैं कि इन दिनों उनके पास आने वाले ज्यादातर मरीज जोड़ों में अकड़न, मांसपेशियों में कमजोरी, पीठ दर्द, मोटापा और एंड्यूरेंस में कमी जैसी समस्याओं की शिकायत करते हैं। ज्यादातर परेशानियों की मुख्य वजह गतिहीन जीवनशैली होती है। ऑफिस में डेस्क जॉब आदि के कारण फिजीकल एक्टिविटी में कमी आई है, ऐसे में लोगों को सलाह दी जाती है कि अगर उनके पास ज्यादा समय नहीं है तब भी वह रोजाना करीब 10000 कदम चलने का टारगेट अवश्यक पूरा करें।

रोजाना 10000 कदम चलने से क्या फायदे होते हैं?

हड्डियां मजबूत बनाने में मदद मिलती है

हड्डी रोग की दृष्टि से, रोजाना दस हजार कदम चलना भले ही एक कम प्रभाव वाला व्यायाम क्यों न हो, लेकिन यह ऑर्थोपेडिक सिस्टम के लिए अच्छा माना जाता है, क्योंकि यह जोड़ों के आसपास की मांसपेशियों को मजबूत करने, लचीलापन बढ़ाने और बोन डेंसिटी को बेहतर बनाने में मदद करता है। साथ ही, रोजाना चलने से जोड़ों की चिकनाई में सुधार हो सकता है, जिससे जोड़ों की अकड़न और गतिशीलता में भी सुधार देखने को मिलता है। यह प्रभाव हर आयु वर्ग के लिए आवश्यक और फायदेमंद होता है। इसके साथ ही, रोजाना लंबे सैर पर जाने या 10000 कदम चलने वाले लोगों का बैलेंस, पोश्चर और मांसपेशियों की सहनशक्ति समय के साथ बेहतर होने लगती है।

हार्ट हेल्थ बेहतर होना

हृदय स्वास्थ्य के लिए पैदल चलना सबसे प्रभावी गतिविधियों में से एक मानी जाती है। नियमित वॉकिंग रक्त संचार को बेहतर बनाती है और हृदय को अधिक कुशलता से काम करने में मदद करती है। नियमित शारीरिक गतिविधि हाई ब्लड प्रेशर, खराब कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकती है। रोजाना अधिक कदम चलने वाले लोगों में कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य बेहतर देखा गया है।

वजन को कंट्रोल में करें

वजन और मोटापे को कंट्रोल करने वाले लोगों को कैलोरी का सेवन कम करने और एक्स्ट्रा कैलोरी को तेजी से बर्न करने के लिए फिजीकल एक्टिविटी करने की सलाह दी जाती है। इसमें वॉक को भी शामिल किया जा सकता है। चलने के दौरान शरीर एनर्जी का उपयोग करता है, जिससे कैलोरी बर्न होती है। यदि व्यक्ति संतुलित आहार के साथ वॉक करने की आदत को अपनाएं तो इससे वजन को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। साथ ही, नियमित वॉकिंग से मेटाबॉलिक गतिविधि भी सक्रिय होती है।

मूड बेहतर होना

पैदल चलना या वॉक करना केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक माना जाता है। वॉक करने के दौरान शरीर एंडोर्फिन और अन्य 'फील-गुड' हार्मोन रिलीज करता है, जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद कर सकते हैं। कई लोगों को नियमित वॉकिंग से मानसिक ताजगी और सकारात्मकता महसूस होती है।

10,000 कदम पूरे करने के आसान टिप्स

- इस टारगेट को पूरा करना चाहते हैं तो धीरे-धीरे लक्ष्य को बढ़ाएं।
- लिफ्ट की जगह पर फ्लोर चढ़ने के लिए सीढ़ियों का उपयोग करें।
- भोजन के बाद 10 से 15 मिनट वॉक करें।
- ऑफिस में फोन पर बात करते समय आप वॉक कर सकते हैं।
- स्टेप्स को काउंट करने के लिए मोबाइल का उपयोग कर सकते हैं।
- रोजाना 10,000 कदम चलना स्वास्थ्य सुधारने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है। इससे हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत बनती हैं, हृदय स्वस्थ रहता है, वजन नियंत्रण में मदद मिलती है और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है। हालांकि हर व्यक्ति के लिए 10,000 कदम अनिवार्य नहीं हैं, लेकिन नियमित रूप से अधिक चलना निश्चित रूप से स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

महत्व

10,000 कदम का लक्ष्य सबसे पहले जापान में 1960 के दशक में लोकप्रिय हुआ था। हालांकि आधुनिक स्टडीज बताती हैं कि नियमित रूप से अधिक चलना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, भले ही व्यक्ति शुरुआत में 10,000 कदम तक न पहुंच पाए। शारीरिक गतिविधि बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य शरीर को सक्रिय रखना है। यदि आप वर्तमान में बहुत कम चलते हैं, तो धीरे-धीरे कदमों की संख्या बढ़ाना भी महत्वपूर्ण लाभ दे सकता है।

झुके हुए कंधों से झलकती है कॉन्फिडेंस की कमी! रीढ़ की हड्डी को सीधा रखने के लिए रोज करें योगासन

क्या आप जानते हैं कि कुछ मामलों में हमारे के 'कॉन्फिडेंस' का कनेक्शन 'रीढ़ की हड्डी' से भी होता है? जी हां, विज्ञान भी मानता है कि जब हम नर्वस या डरे हुए होते हैं, तो हमारे कंधे अपने आप झुक जाते हैं और हम सिकुड़ कर खड़े होते हैं।

इसके ठीक उलट, जब हमारी रीढ़ की हड्डी एकदम सीधी होती है और सीना चौड़ा होता है, तो हमारे दिमाग को एक सिग्नल जाता है, जिससे शरीर में स्ट्रेस हार्मोन कम होते हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने वाले हार्मोन तेजी से बनते हैं। आइए, इस आर्टिकल में आपको ऐसे 2 खास योगासन के बारे में बताते हैं, जो इस मामले में मददगार साबित हो सकते हैं।

ताड़ासन

यह आसन देखने में बहुत ही साधारण लगता है, लेकिन इसके फायदे कमाल के हैं। ताड़ासन आपकी रीढ़ की हड्डी को स्ट्रेच करके बिल्कुल सीधा करता है, आपके पोस्चर को सुधारता है और आपको जमीन से जुड़ा हुआ महसूस कराता है। इससे मन की घबराहट तुरंत शांत होती है।

कैसे करें?

- **स्टेप 1:** जमीन पर बिल्कुल सीधे खड़े हो जाएं। अपने पैरों के बीच हल्का-सा गैप रखें।
- **स्टेप 2:** गहरी सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों को सिर के ऊपर ले जाएं और दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में फंसा लें। हथेलियों का रुख आसमान की तरफ रखें।
- **स्टेप 3:**अब धीरे-धीरे अपनी एड़ियों को उठाएं और शरीर का पूरा वजन पंजों पर ले आएं।
- **स्टेप 4:** अपने पूरे शरीर को ऊपर की तरफ खींचें, जैसे कोई आपको ऊपर खींच रहा हो। अपनी नज़र सामने किसी एक बिंदु पर टिकाएं।
- **स्टेप 5:** 10 से 15 सेकंड तक इसी मुद्रा में रहें और फिर सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आ जाएं। इसे 3 से 4 बार दोहराएं।

भुजंगासन

भुजंगासन न सिर्फ आपकी रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाता है, बल्कि यह आपकी छाती को खोलता है। जब छाती खुलती है, तो आपके फेफड़ों में ज्यादा ऑक्सीजन जाती है। अच्छी और गहरी सांसें आपके दिल की तेज धड़कन को नॉर्मल करती हैं और डर को दूर भगाती हैं।

कैसे करें?

- **स्टेप 1:** एक योगा मैट पर पेट के बल सीधे लेट जाएं। अपने पैरों को आपस में मिलाकर रखें।
- **स्टेप 2:** अपने दोनों हाथों की हथेलियों को अपने कंधों के ठीक नीचे जमीन पर रखें।
- **स्टेप 3:** अब एक गहरी सांस भरें और अपने सिर, कंधों और छाती को धीरे-धीरे ऊपर की तरफ उठाएं।
- **स्टेप 4:** ध्यान रखें कि आपकी नाभि तक का हिस्सा जमीन से ही लगा रहना चाहिए। अपने सिर को पीछे की तरफ झुकाएं और आसमान की तरफ देखें।
- **स्टेप 5:** इस मुद्रा में 15 से 20 सेकंड तक रुकें और सामान्य रूप से सांस लेते रहें। फिर सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे नीचे आ जाएं। इसे भी 3 से 4 बार करें।

मेसी के विश्व कप में सबसे ज्यादा 18 गोल, जर्मनी के क्लोजा का रिकॉर्ड तोड़ा

अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया

एजेंसी, मैक्सिको

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फुटबॉल वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने पहले अपना 17वां गोल दागकर जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजा (16 गोल) का रिकॉर्ड तोड़ा और फिर मैच के आखिरी में एक और गोल कर इसे 18 तक पहुंचा दिया। मेसी ने डलास स्टेडियम में 39वें मिनट में फील्ड गोल लगाकर इतिहास रचा। इसके बाद इंजरी टाइम (95वें मिनट) में उन्होंने दूसरा गोल दागकर अर्जेंटीना की 2-0 की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने राउंड ऑफ-32 में भी जगह बना ली। 38 साल के मेसी ने पिछले मैच में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। मौजूदा टूर्नामेंट में उनके सबसे ज्यादा 5 गोल हो गए हैं। मेसी के बाद 3 गोल के साथ जर्मनी के डेनिज उंडाव हैं।

9वें मिनट में पेनल्टी चूके

मेसी के पास नौवें मिनट में ही रिकॉर्ड बनाने का मौका था। लॉटारो मार्टिनेज पर ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों के फाउल के बाद अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली, लेकिन मेसी शॉट को पोस्ट के बाहर मार बैठे। इसके साथ ही वह वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा तीन पेनल्टी मिस करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए। इससे पहले घाना के असामोआ ग्यान ने दो पेनल्टी मिस की थीं। पेनल्टी चूकने के बाद 18वें मिनट में मेसी को एक और मौका मिला, लेकिन ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों ने शॉट ब्लॉक कर दिया। ऑस्ट्रिया के गोलकीपर डेविड अलाबा ने भी एक मौके पर गोललाइन के पास शानदार बचाव किया।

पिता की बीमारी के बीच खेल रहे

अल्जीरिया के खिलाफ पहला गोल करने के बाद मेसी भावुक हो गए थे और उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। बाद में परिवार ने बताया कि उनके पिता जॉर्ज मेसी एक अज्ञात बीमारी का इलाज करा रहे हैं। मैच के बाद मेसी ने कहा था कि वह मैदान के बाहर कुछ मुश्किल दिनों से गुजर रहे थे।

39वें मिनट में तोड़ा क्लोजा का रिकॉर्ड

39वें मिनट में अर्जेंटीना के थियागो अल्माडा ने बाईं ओर फाकुंडो मेडिना को पास दिया। मेडिना ने गेंद बॉक्स के किनारे खड़े मेसी तक पहुंचाई और कप्तान ने शानदार लेफ्ट फुटेड शॉट लगाकर गेंद को निचले कोने में पहुंचा दिया। यह मेसी का वर्ल्ड कप में 17वां गोल था, जिसके साथ उन्होंने मिरोस्लाव क्लोजा को पीछे छोड़कर सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

इंजरी टाइम में दूसरा गोल किया

मैच के 95वें मिनट में अर्जेंटीना ने काउंटर अटैक किया। स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज का शॉट बच गया, लेकिन रिबाउंड पर मेसी ने दो डिफेंडरों के बीच से गेंद गोल में पहुंचा दी। 90+5वें मिनट में आया यह गोल उनका मैच का दूसरा और टूर्नामेंट का पांचवां गोल था।

लगातार 6 विश्व कप मैचों में गोल

मेसी अब लगातार 6 वर्ल्ड कप मैचों में गोल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने फ्रांस के जस्ट फोंटेन और ब्राजील के जायरजिन्हो के रिकॉर्ड की बराबरी की।

अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी

मेसी ने पांच दिन पहले अल्जीरिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 3-0 की जीत में हैट्रिक लगाई थी। यह विश्व कप में उनके करियर की पहली हैट्रिक थी। इसी के साथ वह वर्ल्ड कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। 2018 वर्ल्ड कप में 33 साल की उम्र में हैट्रिक लगाने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो का रिकॉर्ड तोड़ा था।

विश्व कप गोल में मेसी से 2 गोल पीछे एमबाप्पे, 6 बार 2+ गोल करने वाले पहले खिलाड़ी

फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर नॉकआउट दौर में बनाई जगह

फ्रांस के स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा बार एक मैच में दो या उससे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मंगलवार को इराक के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 2 गोल किए। यह छठी बार है जब एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप के किसी मैच में दो या उससे ज्यादा गोल दागे हैं। इन दो गोलों के साथ वर्ल्ड कप में उनके कुल गोलों की संख्या 16 हो गई है। उन्होंने जर्मनी के पूर्व स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोजा के 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल लियोनेल मेसी हैं, जिनके नाम 18 गोल दर्ज हैं। यानी एमबाप्पे मेसी के रिकॉर्ड से सिर्फ 2 गोल पीछे हैं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में मंगलवार (भारतीय समयानुसार) ग्रुप-I के दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और लास्ट-32 (नॉकआउट चरण) में अपनी जगह पक्की कर ली। वहीं, दूसरे मुकाबले में नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हरा दिया।

100वें इंटरनेशनल मैच में एमबाप्पे ने दो गोल किए

फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे ने अपना 100वां इंटरनेशनल मैच यादगार बना दिया। उन्होंने दो गोल किए, जबकि तीसरा गोल उस्मान डेम्बेले ने दागा।

14वें मिनट में दिलाई बढ़त

फ्रांस ने मैच की शुरुआत से ही इराक पर दबाव बनाए रखा। 14वें मिनट में माइकल ओलिस के शानदार पास पर एमबाप्पे ने 20 गज की दूरी से बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

इराकी डिफेंस की गलती का उठाया फायदा

एमबाप्पे का दूसरा गोल इराकी टीम की चूक का नतीजा रहा। डिफेंडर जैद तहसीन और गोलकीपर अहमद बासिल गोल किक को सही ढंग से क्लियर नहीं कर सके। गेंद उस्मान डेम्बेले के पास पहुंची, जिन्होंने निस्वार्थ खेल दिखाते हुए एमबाप्पे को पास दिया। एमबाप्पे ने आसान फिनिश के साथ फ्रांस की बढ़त 2-0 कर दी।

नॉर्वे नॉकआउट में पहुंचा, सेनेगल को 3-2 से हराया

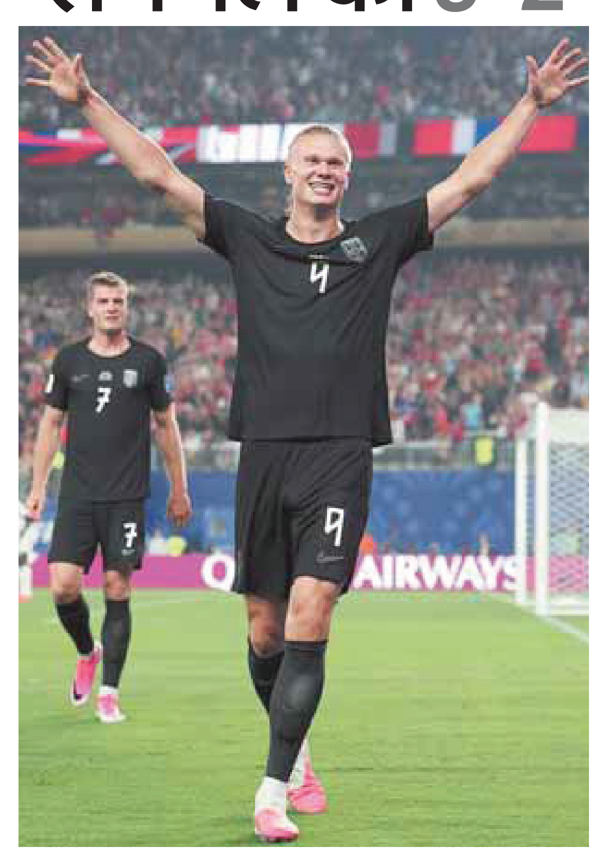

न्यू जर्सी में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-I मुकाबले में नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और लास्ट-32 में जगह पक्की कर ली। ग्रुप से फ्रांस भी अगले दौर में पहुंच चुका है। नॉर्वे की जीत के हीरो अर्लिंग हालैंड रहे। उन्होंने दूसरे हाफ में दो गोल दागे। हालैंड टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में 4 गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में 5 गोल वाले लियोनेल मेसी के करीब पहुंच गए हैं। साथ ही वे वर्ल्ड कप में नॉर्वे के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी बन गए। मैच में नॉर्वे को शुरुआती बढ़त मार्कस पेडरसन ने दिलाई। इसके बाद 48वें मिनट में मार्टिन ओडेगार्ड के पास पर हालैंड ने गोल कर स्कोर 2-0 किया। सेनेगल के इस्माइला सार ने एक गोल कर अंतर कम किया, लेकिन हालैंड ने हाफ वॉली पर शानदार गोल दागकर नॉर्वे को 3-1 की बढ़त दिला दी। इंजरी टाइम में सार ने दूसरा गोल जरूर किया, लेकिन सेनेगल हार नहीं टाल सका। अब ग्रुप में शीर्ष स्थान तय करने के लिए नॉर्वे का सामना फ्रांस से होगा। दूसरी ओर, सेनेगल को अगले दौर की उम्मीदें बनाए रखने के लिए अपने आखिरी मैच में इराक को बड़े अंतर से हराना होगा।

हॉकी प्रो लीग- टीम 10 साल से पाक से नहीं हारी

भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराया

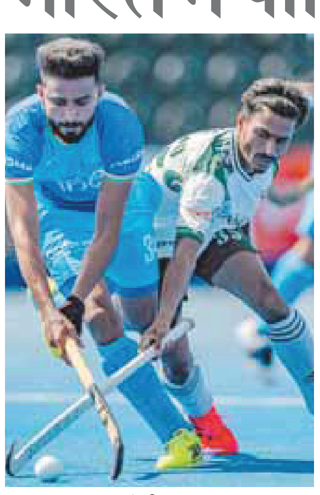

एजेंसी, लंदन

भारतीय हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में पाकिस्तान को 4-3 से हरा दिया। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में भारत ने 1-0 से पिछड़ने के बाद वापसी की। अभिषेक, नीलकांत शर्मा, सुखजीत सिंह और राजिंदर सिंह ने भारत के लिए गोल किए। पाकिस्तान के लिए अहमद नदीम और कप्तान अबू महमूद और शकील मोईन ने गोल किया। पिछले 10 साल में भारतीय टीम पाकिस्तान से कोई मुकाबला नहीं हारी है। दोनों टीमों के बीच पिछले 18 मुकाबलों में भारत ने 16 जीते हैं। 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। पाकिस्तान ने आखिरी बार भारत को दिसंबर 2016 में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में हराया था।

अभिषेक और नीलकांत ने मैच पलटा

दूसरे क्वार्टर में भारत ने दबाव बढ़ाया। दिलप्रीत सिंह के शानदार क्रॉस पर अभिषेक ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके तुरंत बाद भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत सिंह की ड्रैग फ्लिक को पाकिस्तान ने रोक लिया, लेकिन रिबाउंड पर नीलकांत शर्मा ने गेंद को नेट में पहुंचाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

सुखजीत ने बढ़ाई बढ़त

तीसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने तेज शुरुआत की, लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने बेहतरीन बचाव किए। इसके बाद भारत के सुखजीत सिंह ने बॉक्स के अंदर शानदार टर्न लेकर जोरदार शॉट से गोल दाग दिया। इस गोल के साथ भारत की बढ़त 3-1 हो गई।

राजिंदर ने चौथा गोल किया

आखिरी क्वार्टर में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। राजिंदर सिंह ने बेहतरीन ड्रैग फ्लिक लगाकर स्कोर 4-1 कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने वापसी की कोशिश की। कप्तान अबू महमूद ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया और फिर अंतिम में एक और गोल दागकर अंतर 4-3 कर दिया, लेकिन तब तक भारत ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

नीतीश चोट के कारण आयरलैंड टी-20 सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। टीम इंडिया के नीतीश कुमार रेड्डी चोट के कारण आयरलैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। पीटीआई के मुताबिक, अफगानिस्तान के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान उनके बाएं जांघ की मांसपेशी में चोट लगी थी। इसके चलते वह आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज नहीं खेल पाएंगे, जबकि इंग्लैंड दौरे से भी उनके बाहर रहने की आशंका है। नीतीश को स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बैकअप के रूप में देखा जा रहा था। हालांकि हार्दिक भी जांघ की मांसपेशी चोट की समस्या से जूझ रहे हैं और फिलहाल पूरी क्षमता से गेंदबाजी नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में नीतीश का बाहर होना टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बन गया है।

भारत की श्री चरणी दुनिया की नंबर-1 टी-20 गेंदबाज बनी, बल्लेबाजी में मंधाना शीर्ष-5 में

- महिला विश्व कप में 10 विकेट ले चुकीं, बल्लेबाजी में स्मृति मंधाना शीर्ष-5 में

एजेंसी, नई दिल्ली

21 साल की भारतीय स्पिनर श्री चरणी विमेंस टी-20 इंटरनेशनल बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंच गई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की स्पिनर लिंसी स्मिथ को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है। श्री चरणी को महिला टी-20 वर्ल्डकप 2026 में शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। वह फिलहाल टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में 10 विकेट लिए हैं। वहीं, 6 विकेट लेने वाली दीप्ति शर्मा गेंदबाजी रैंकिंग में 8वें स्थान पर हैं। बैटिंग रैंकिंग में स्मृति मंधाना टॉप-5 में बनी हुई हैं। उन्होंने इस वर्ल्डकप में पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाए हैं। इसके अलावा शेफाली वर्मा 6वें और कप्तान हरमनप्रीत कौर 10वें स्थान पर हैं।

बल्लेबाजी रैंकिंग में 3 भारतीय

भारत की तीन बल्लेबाज टॉप-10 में शामिल हैं। उपकप्तान स्मृति मंधाना 749 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर बरकरार हैं। ओपनर शेफाली वर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे और कप्तान हरमनप्रीत कौर एक स्थान के फायदे के साथ 10वें नंबर पर पहुंच गई हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपनर जॉर्जिया वॉल नंबर-1 बल्लेबाज

ऑस्ट्रेलिया की ओपनर जॉर्जिया वॉल 829 रेटिंग के साथ नंबर-1 बैटर बनी हुई हैं उन्होंने मौजूदा वर्ल्ड कप के 3 मैचों में 62 रन बनाए हैं। उनकी हमवतन बेथ मूनी एक स्थान के फायदे के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट तीसरे स्थान पर हैं

चरणी ने दीप्ति को पीछे छोड़ा, यंगेस्ट इंडियन बनीं

चरणी भारत की ओर से बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बन गई। इससे पहले भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा 27 साल की उम्र में 23 दिसंबर 2025 को पहली बार नंबर-1 बनी थीं। बाएं हाथ की स्पिनर चरणी ने पिछले साल 28 जून को इंग्लैंड के खिलाफ पहला टी-20 मैच खेला था। वे एक साल के भीतर दुनिया की नंबर-1 गेंदबाज बन गईं। वहीं दीप्ति ने 31 जनवरी 2016 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में अपना टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था और टॉप रैंकिंग तक पहुंचने में उन्हें लगभग 10 साल लगे थे।

वैभव को 3 नंबर जर्सी मिली

एजेंसी, नई दिल्ली

वैभव सूर्यवंशी सीनियर टीम इंडिया के साथ आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे पर मंगलवार को रवाना हो गए। बीसीसीआई की ओर से उन्हें 3 नंबर जर्सी होटल भिजवाई गई, जिसे सूर्यवंशी काफी देर तक देखते रहे। सूर्यवंशी को जर्सी भारतीय टीम में थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट रघु ने सौंपी। सूर्यवंशी ने सबसे पहले रघु के पैर छूए और उन्हें प्रणाम किया, फिर जर्सी ली। इस पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड भी किया गया।

वैभव सूर्यवंशी पहली बार नेशनल टीम में

15 साल के सूर्यवंशी को पहली बार भारतीय टीम में जगह दी गई है। देश की नेशनल टीम में सिलेक्ट होने वाले वे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरा 26 जून से शुरू हो रहा है और इंग्लैंड दौरा 1 जुलाई से शुरू होगा।

सूर्यवंशी बोले- आज वह सपना पूरा हो गया

इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जिस दिन पहली बार बल्ला थामकर मैदान पर कदम रखा था, आज वह सपना पूरा हो गया है। यह मेरे अब तक के करियर का सबसे बड़ा कदम है और इस अहसास को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है।

13.50 करोड़ में कुलदीप लखनऊ में शामिल, दोनों टीमों के बीच ट्रेड हुआ

27 करोड़ के पंत 15 करोड़ में दिल्ली कैपिटल्स लौटे

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स में वापसी हो गई है, जबकि स्पिनर कुलदीप यादव अब लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलेंगे। दोनों टीमों के बीच यह ट्रेड हुआ है। इस आईपीएल के बाद पंत ने लखनऊ की कप्तानी छोड़ दी थी। लखनऊ ने आईपीएल 2025 के ऑक्शन में पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में खरीदा था, जो आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली थी। अब ट्रेड के बाद वे 15 करोड़ रुपए की फीस पर दिल्ली से

जुड़े हैं। वहीं, कुलदीप यादव 13.50 करोड़ रुपए की अपनी मौजूदा फीस पर लखनऊ में शामिल हुए

पंत पहले भी 9 सीजन दिल्ली के लिए खेले

पंत एक बार फिर उसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बन गए हैं, जहां उन्होंने साल 2016 से 2024 के बीच अपने करियर के 9 सीजन बिताए थे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए पंत ने अब तक कुल 111 मैच खेले हैं।

ऋषभ पंत का प्रदर्शन रहा ट्रेड की वजह

पंत के ट्रेड की आधिकारिक वजह नहीं बताई गई है। हालांकि, इसके पीछे उनका कप्तान और खिलाड़ी के रूप में प्रदर्शन एक कारण माना जा रहा है। 27 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड कीमत के मुकाबले उनका प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। उन्होंने लखनऊ के लिए दो सीजन में 28 मैच खेलकर 581 रन बनाए।

5 सीजन बाद दिल्ली कैपिटल्स से अलग हुए कुलदीप यादव

इस ट्रेड में कुलदीप दिल्ली कैपिटल्स का साथ छोड़कर लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल हो गए हैं। कुलदीप का दिल्ली के साथ 5 सीजन का एक बेहद सफल सफर रहा है, जो अब इस ट्रेड के साथ समाप्त हो गया है। कुलदीप साल 2022 में दिल्ली की फ्रेंचाइजी से जुड़े थे। तब से लेकर अब तक उन्होंने टीम के लिए 65 मैचों में 72 विकेट अपने नाम किए हैं। यह बदलाव कुलदीप के लिए भी एक तरह से घर वापसी जैसा होगा।

भारत के खिलाफ सीरीज में हैरी ब्रूक होंगे इंग्लैंड के कप्तान

एजेंसी, लंदन

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज से पहले आयरलैंड और इंग्लैंड ने अपनी-अपनी टीमों का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड की कप्तानी हैरी ब्रूक करेंगे। टीम में 22 साल के ऑलराउंडर जेम्स कोल्स को भी पहली बार शामिल किया गया है। आयरलैंड ने विकेटकीपर बल्लेबाज लॉरकन टकर को टी-20 टीम का नया कप्तान बनाया है। 29 साल के टकर इस साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद कप्तानी छोड़ने वाले पॉल स्टर्लिंग की जगह लेंगे। उनका पहला असाइनमेंट 26 और 28 जून को बेलफास्ट के स्टॉर्मॉन्ट मैदान पर भारत के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टी-20 सीरीज होगी।

आयरलैंड के 5 बॉलर चोटिल

भारत सीरीज से पहले आयरलैंड की टीम चोटों से जूझ रही है। टीम के पांच प्रमुख तेज गेंदबाज जोश लिटिल (स्ट्रेस फ्रैक्चर), मार्क अडेयर (एब्डॉमिनल इंजरी), कर्टिस कैंफर (हाथ में फ्रैक्चर), बैरी मैकार्थी (लिगमेंट इंजरी) और जॉर्डन नील (कंधा व पैर) चोटिल होकर बाहर हैं। स्टर्लिंग चोट के कारण टीम से बाहर हैं। टकर इससे पहले टी-20 वर्ल्ड कप में भी स्टर्लिंग की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर चुके हैं।

शराब दुकान हटाने की मांग अभाविप ने किया उग्र प्रदर्शन

भोपाल (नगर संवाददाता)

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) भोपाल महानगर द्वारा छात्राओं की सुरक्षा एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण की मांग को लेकर मंगलवार को पॉलिटेक्निक चौराहे पर उग्र प्रदर्शन किया गया। मौके पर पहुंचे कलेक्टर ने अभाविप की मांगे सुनी और 7 दिन में ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद ही परिषद ने धरना समाप्त किया। अभाविप ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय में शराब की दुकान को नहीं हटाया, तो परिषदं कलेक्ट्रेट का घेराव करेगी। आंदोलन के दौरान पॉलिटेक्निक चौराहे पर भारी पुलिस बल तैनात थी। आक्रोशित कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए, जिससे पुलिस के साथ झड़प भी हुई। परिषद की मुख्य मांग महारानी लक्ष्मीबाई छात्रा महाविद्यालय व एसवी पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास संचालित शराब की दुकान को तत्काल हटाने की है। पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षण संस्थानों व कन्या छात्रावासों से 100 मीटर के दायरे में मदिरा दुकान नहीं चलाई जा सकती। कॉलेज परिसर और बस स्टॉप के पास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहने से छात्राओं को असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है।

निजी कंपनी के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी दो अरब रुपए से ज्यादा के घोटाले का संदेह

एजेंसी ने अभी तक आधिकारिक तौर पर डिटेल जानकारी सार्वजनिक नहीं की

बड़े पैमाने पर वित्तीय हेराफेरी की आशंका, दस्तावेजों की जांच और जब्ती

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में मंगलवार को एक निजी कंपनी के दफ्तरों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ ही उससे जुड़े ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की है। 2 अरब रुपए से अधिक की कथित वित्तीय हेराफेरी उजागर होने के बाद ईडी की टीम भोपाल समेत ग्रुप के अन्य परिसरों और संबंधित स्थानों पर दिनभर दस्तावेजों की जांच करती रही। हालांकि ईडी अफसर अभी इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि कार्रवाई पूरी होने के बाद ही जांच एजेंसी मामले का खुलासा करेगी। दरअसल ईडी और ईओडब्ल्यू यह जांच कर रहे हैं कि अलग-अलग खातों,संस्थाओं और कंपनियों के बीच पैसे कैसे ट्रांसफर हुए। कार्रवाई केवल भोपाल तक सीमित नहीं है। कंपनी से जुड़े अन्य परिसरों, संस्थानों और ठिकानों पर भी जांच जारी है।

बैंक रिकार्ड, संपत्ति से जुड़े दस्तावेज और खातों की जांच

सूत्रों के मुताबिक ईडी वित्तीय दस्तावेज, बैंकिंग रिकॉर्ड, अकाउंट स्टेटमेंट, संपत्ति से जुड़े दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है। फिलहाल एजेंसी ने आधिकारिक तौर पर इसकी डिटेल जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। लेकिन माना जा रहा है कि जांच के दौरान कई दस्तावेज सामने आए हैं।

ईओडब्ल्यू ने दर्ज की थी FIR : निजी कंपनी के खिलाफ मप्र आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने 200 करोड़ रुपए से अधिक के कथित घोटाले और वित्तीय अनियमितताओं का प्रकरण दर्ज किया था। ईओडब्ल्यू की एफआईआर के बाद मामला प्रवर्तन निदेशालय के संज्ञान में आया। कथित वित्तीय अनियमितताओं और धन के प्रवाह से जुड़े मामले में ईडी ने भी जांच शुरू की।

छात्रों की फीस, स्कॉलरशिप और शिक्षा लोन की जांच

बताया है कि ईओडब्ल्यू की जांच में छात्रों की फीस, छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) और शिक्षा ऋण (एजुकेशनल लोन) से जुड़े वित्तीय लेनदेन में कथित अनियमितताएं सामने आई थीं। इन मदों में करीब 200 करोड़ रुपए की गड़बड़ी का आरोप है। आरोप है कि छात्रों से बस शुल्क, हॉस्टल फीस और अन्य मदों में वसूली गई राशि निजी खातों में ट्रांसफर की गई। छात्रों की स्कॉलरशिप राशि निर्धारित खातों में जमा करने के बजाय अन्य कंपनियों के खातों में भेजी गई। जिसकी अब जांच की जा रही है।

एजुकेशन लोन के दुरुपयोग की आंशका : जांच में यह आरोप भी शामिल है कि शिक्षा और संस्थागत गतिविधियों के लिए गए बड़े बैंक लोन का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के बजाय अन्य कार्यों में किया गया। आरोप है कि लोन का इस्तेमाल निजी संपत्तियां खड़ी करने व परिवार से जुड़े हितों के लिए किया गया। हालांकि इन आरोपों की जांच अभी जारी है।

नगरीय निकायों एवं पंचायतों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के संबंध में बैठक 29 जून को

भोपाल। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री दिनेश श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों एवं पंचायतों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण वर्ष 2026 की समीक्षा बैठक 29 जून को 4:30 बजे आयोजित की गई है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन), रजिस्ट्रीकरण/सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक अधीक्षक (स्थानीय निर्वाचन) शामिल होंगे। बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से होगी। बैठक में अनुपस्थित, शिफ्टेड, मृत एवं रिपीट मतदाओं की जॉच सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जायेगी।

øA°ö aýत्त आयोग ÷ þAKÂ कर् संभाग के स्थानीय निकायों की समीक्षा

÷Uø संवाददाता ■ भोपाल

राज्य वित्त आयोग बुधवार को भोपाल संभाग का दौरा करेगा। इस दौरान आयोग नगरीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं की वित्तीय स्थिति, पारदर्शिता, गुणवत्ता तथा आर्थिक स्वावलंबन के संबंध में भोपाल के सांसद, विधायक तथा दोनों निकायों के जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ संभाग के अधिकारियों से भी सुझाव प्राप्त करेगा।

आयोग के अध्यक्ष,जयभान सिंह पवैया, सदस्य केके. सिंह, पदेन सदस्य, ऋषि गर्ग तथा सदस्य सचिव वीरेन्द्र कुमार संभाग के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में नगरीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय रूप से सुदृढ़, पारदर्शी और आत्मनिर्भर बनाने के उपायों पर चर्चा होगी। इस बैठक में भोपाल संभाग के आयुक्त, जिला कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, नगर निगम आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर नगरीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं की वित्तीय स्थिति की विस्तृत समीक्षा करेगा। बैठक में निकायों के मूल दायित्वों, स्वच्छता, पेय-जल, विकास कार्यों की गुणवत्ता तथा स्वयं के राजस्व स्त्रोतों में वृद्धि के उपायों पर विचार विमर्श किया जायेगा। इसके साथ ही नगरीय एवं पंचायत क्षेत्रों में संभावित नवाचारों पर भी चर्चा होगी। जन प्रतिनिधियों के साथ 12 बजे से एक बजे तक सुझावात्मक बैठक के बाद अपराह्न तीन बजे संभाग आयुक्त कार्यालय में अधिकारियों की वृहद समीक्षात्मक बैठक होगी।

पश्चिमी बायपास परियोजना : जमीन की घेराबंदी पर विवाद

÷Uø संवाददाता ■ भोपाल

मंडीदीप से कोलार होकर सीहोर के फंदा तक जाने वाली प्रस्तावित वेस्टर्न बायपास परियोजना को प्रशासनिक स्तर पर बड़ी मंजूरी मिल गई है, लेकिन इसके साथ ही एक नया विवाद सामने गया है। इसमें केरवा बीट क्षेत्र आ रहा है, जिसमें वन विभाग ने करीब साढ़े चार किलोमीटर तक लगभग 13 फीट ऊंची फेंसिंग खड़ी की है। विवाद इस बात को लेकर है कि जिस भूमि पर यह फेंसिंग लगाई गई है, वह फिलहाल राजस्व विभाग की है। इस फेंसिंग का विरोध करने वाले बीट क्षेत्र के निवासी चार प्रभावित पक्ष न्यायालय की शरण में जा चुके हैं। बता दें कि हाल ही में मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता वाली एम्पावर्ड कमेटी ने 35.61 किलोमीटर लंबे वेस्टर्न बायपास को मंजूरी दे दी है। अब प्रस्ताव अगले माह कैबिनेट के समक्ष जाएगा। अब इस प्रस्तावित मार्ग के समीप केरवा बीट क्षेत्र में वन विभाग की खड़ी फेंसिंग को लेकर विरोध शुरू हो गया है। इसमें वनविभाग जो फेसिंग बना रहा है, उसमें चार लोगों की जमीन आ रही है। इन लोगों ने विरोध जताया है। मामला कोर्ट तक पहुंच चुका है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ स्थानों पर पहले से मौजूद निजी सुरक्षा दीवारों का उपयोग करते हुए नई फेंसिंग खड़ी कर दी गई, जिससे भूमि स्वामित्व और अधिकारों को लेकर सवाल पैदा हो गए हैं।

ये हैं परियोजना

मंडीदीप से कोलार होकर सीहोर के फंदा तक जाने वाली प्रस्तावित भोपाल वेस्टर्न बायपास परियोजना लगभग 2900-3225 करोड़ की लागत से बनेगी। इससे लगभग 35 से 41 किलोमीटर लंबा यह फोर-लेन बायपास भारी वाहनों को शहर में प्रवेश किए बिना सीधे जबलपुर/ नर्मदापुरम से इंदौर की ओर निकलेगा। यह नया मार्ग मंडीदीप औबेदुल्लागंज रोड से शुरू होकर कोलार, रातीबड़, और खजूरी होते हुए इंदौर मार्ग पर फंदा कलां में जाकर मिलेगा।

वनविभाग का ये तर्क

केरवा वन बीट के रेंजर शिवपाल पिपरादे का तर्क है कि यह कदम वन्य प्राणियों और स्थानीय रहवासियों दोनों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। पिपरादे ने कहा कि राजस्व भूमि के वन विभाग को हस्तांतरण की प्रक्रिया जारी है। सुरक्षा मामलों में केवल निजी दीवारों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। वही डीएफओ लोकप्रिय भारती ने कहा कि उन्हें मामले की पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने रेंजर कार्यालय से तथ्यात्मक जानकारी तलब की है।

संक्षिप्त समाचार

एलएन ग्रुप पर प्रवर्तन निदेशालय का छापा

भोपाल। राजधानी भोपाल के शैक्षणिक समूह एलएनसीटी से जुड़े ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मार कर कार्रवाई अपनी पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने एलएन समूह के अलग-अलग ठिकानों से कई दस्तावेज बरामद किए हैं। समूह के शैक्षणिक संस्थानों पर आरोप है कि छात्रों से अलग-अलग मदों में वसूली गई फीस, छात्रवृत्ति और शिक्षा ऋण को निजी कंपनियों के खातों में लेकर फीस में अनियमितता की है। करीब दो सौ करोड़ की राशि अनियमितता के संदेह के दायरे में है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ द्वारा अक्टूबर 2025 में एनएलसीटी समूह के ठिकानों पर मारे गए छापों और दर्ज एफआईआर के आधार पर ही प्रवर्तन निदेशालय ने एलएनसीटी समूह पर धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। यह मामला ग्रुप के प्रदेश सहित देश के दूसरे राज्यो में स्थित संस्थानों से भी जुड़ा बताया जा रहा है। प्रदेश के बाहर के ठिकानों को भी जांच की परिधि में लिया गया है। जांच मंगलवार देर रात तक जारी रही और ईडी की ओर से आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई।

मुख्यमंत्री ने दी ओलंपिक दिवस की शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस की खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संदेश में कहा कि खेल उत्तम स्वास्थ्य के साथ मानसिक रूप से सशक्त बनाता है और सामूहिक सफलता की प्रेरणा देता है।

निजी इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में आधी से ज्यादा सीटें खाली, शुल्क घटाने की मांग

आर्थिक संकट गहराने से कई इंजीनियरिंग कॉलेजों ने विनियामक समिति को भेजा प्रस्ताव

■ **प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में औसतन 50 फीसदी सीटें रह रहीं खाली**

÷Uø संवाददाता ■ भोपाल

मध्य प्रदेश के निजी कॉलेजों से इंजीनियरिंग की पढ़ाई और सस्ती होने की संभावना है। कई इंजीनियरिंग कॉलेजों ने शुल्क विनियामक समिति एफआरसी को अपने न्यूनतम शुल्क में कटौती का प्रस्ताव भेजा है। उनकी मांग है कि उनके यहां शिक्षण शुल्क 35 हजार रुपये सालाना कर दिया जाए। इंजीनियरिंग कॉलेजों की इस मांग पर मध्यप्रदेश की शुल्क विनियामक समिति का निर्णय बेहद अहम होगा।

इसकी मंजूरी मिलती है, तो यह निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों के पूरे तंत्र को प्रभावित करेगा। बताया जाता है कि कई निजी संस्थान विद्यार्थियों की कमी से जूझ रहे हैं। पिछले एक दशक में 58 कॉलेज बंद हो चुके हैं। इस बीच केवल एक सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज खुला है। पिछले वर्षों में इन कॉलेजों की औसतन 45 से 55 प्रतिशत सीटों पर ही प्रवेश हो पाए। वहीं, सरकारी कॉलेजों में 80 से 90 प्रतिशत सीटें भर जाती हैं।

इनका कहना है...

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों की तुलना में यहां इंजीनियरिंग का शुल्क कम है। इस कारण यहां पर दूसरे राज्यों के विद्यार्थी भी प्रवेश लेते हैं। कुछ कॉलेज विवि. में कन्वर्ट हो रहे हैं, इसलिए वे काउंसलिंग में शामिल नहीं हो रहे हैं।

- डॉ. अजीत सिंह पटेल, उपाध्यक्ष, एसोसिएशन आफ टेक्निकल प्रोफेशनल इंस्टिटयूशंस मध्यप्रदेश भोपाल।

कुछ इंजीनियरिंग कालेजों से शुल्क कम करने के प्रस्ताव आए हैं। समिति कालेजों का लेखा-जोखा देखकर शुल्क तय करती है।

- डॉ. अनिल शिवानी, सचिव, शुल्क विनियामक समिति एफआरसी भोपाल।

यूजी- पीजी : एक लाख 29 हजार विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

अब प्रवेश की अंतिम प्रक्रिया कॉलेज स्तरीय काउंसलिंग

÷Uø संवाददाता ■ भोपाल

उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया के तहत कॉलेज स्तरीय काउंसलिंग सीएलसी राउंड के लिए महाविद्यालय आवंटन जारी कर दिए हैं। इस चरण में प्रदेशभर के एक लाख 29 हजार 265 विद्यार्थियों को विभिन्न शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों में सीट आवंटित की गई है। इसमें स्नातक में सबसे ज्यादा आवंटन हुए हैं। इसके साथ ही प्रवेश की अंतिम प्रक्रिया कॉलेज राउंड सीएलसी शुरू हो गई है।

जानकारी के अनुसार पहले दो चरणों के राउंड में आवंटित विद्यार्थियों में 94 हजार 703 स्नातक और 34 हजार 562 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी शामिल हैं। प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में रिक्त सीटों पर यह आवंटन किया गया है।

30 जून तक जमा करनी होगी फीस

उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों को निर्देश दिए हैं कि वे 30 जून तक अनिवार्य रूप से प्रवेश शुल्क जमा करें। निर्धारित समय सीमा में शुल्क जमा नहीं करने पर आवंटित सीट प्रभावित हो सकती है।

ई-प्रवेश पोर्टल पर रखें नजर

विभाग ने विद्यार्थियों से कहा है कि प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी सभी अपडेट, दस्तावेज सत्यापन और अन्य आवश्यक निर्देशों के लिए ई-प्रवेश पोर्टल का नियमित अवलोकन करते रहें, ताकि किसी भी महत्वपूर्ण सूचना से वे वंचित न रहें। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के इस चरण से एक लाख से अधिक विद्यार्थियों को कॉलेजों में प्रवेश का अवसर मिला है।

बीएड और एमएड की काउंसलिंग शुरू

बीएड और एमएड के लिए दूसरे चरण की काउंसलिंग शुरू हो चुकी है। रजिस्ट्रेशन और चॉइस फिलिंग के बाद 25 जून को मेरिट सूची और 29 जून को सीट आबंटन जारी होगा।

उमरिया के बीईओ अशोक कुमार शर्मा शासकीय सेवा से निष्कासित

■ **गंभीर वित्तीय अनियमितताओं को लेकर जांच में हुई पुष्टि**

÷Uø संवाददाता ■ भोपाल

मध्य प्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग ने शहडोल जिले के बुढार के तत्कालीन विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा को गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के चलते शासकीय सेवा से निष्कासित कर दिया गया है। यह आदेश मंगलवार को जनजातीय विभाग के प्रमुख सचिव भोपाल से जारी किया गया। इसमें शर्मा के विरुद्ध लगे 1,01,72,176 रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों को सही पाया गया।

वर्तमान में शर्मा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पाली उमरिया में व्याख्याता के पद पर कार्यरत है और बीईओ के प्रभार में थे। शर्मा पर आरोप था कि उन्होंने दो जून 2014 से तीन फरवरी 2020 के बीच सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना विभिन्न बैंकों में 06 अलग-अलग बैंक खाते खोलकर शासकीय राशि का गबन किया।

बताया जाता है कि शर्मा के खिलाफ विभागीय जांच रिपोर्ट में सभी प्रमुख आरोप सिद्ध होने के बाद, प्रशासन ने न केवल सेवा से बर्खास्तगी का फैसला लिया, बल्कि आर्थिक दंड भी लगाया है। शासन ने शर्मा से कुल 2,08,74,698 रुपये की वसूली करने का भी आदेश दिया है, जो उनके कार्यकाल के दौरान गबन की गई कुल राशि है। इसके साथ ही, उनकी निलंबन अवधि 16 जून 2021 से 03 अप्रैल 2023 को भी कर्तव्य अवधि मान्य नहीं किया गया है। जनजातीय कार्य विभाग भोपाल के प्रमुख सचिव से जारी अंतिम आदेश में स्पष्ट किया गया है कि बीईओ शर्मा का कृत्य अत्यंत गंभीर था, जिससे शासन को भारी आर्थिक क्षति हुई। लोक सेवा आयोग इंदौर से भी इस दंड के लिए सहमति प्राप्त की गई।

यूसीसी के लिए आए नौ लाख सुझाव

÷Uø संवाददाता ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित करते हुए जानकारी दी कि मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का ड्राफ्ट 5 जुलाई तक तैयार कर लिया जाएगा। इसके बाद आगामी मानसून सत्र में इसे विधानसभा में विधेयक के रूप में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता को लेकर अब तक 9 लाख से ज्यादा सुझाव प्राप्त हुए हैं, जिनमें करीब 90 प्रतिशत सुझाव इसके समर्थन में हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अल्पसंख्यक समाज की ज्यादातर महिलाओं ने भी समान नागरिक संहिता का समर्थन किया है। 30 जून तक सुझाव लेने की प्रक्रिया पूरी होगी और इसके बाद 5 जुलाई तक ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति के चार दिवसीय प्रवास और कूनों अभ्यारण्य में चीता के संरक्षण राष्ट्रपति द्वारा अवलोकन का भी उल्लेख करते हुए इसे प्रदेश के लिए उपलब्धि बताया।

मुख्यमंत्री करेंगे सेफ क्लिक 2.0 अभियान का शुभारंभ

भोपाल, प्रसं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में नागरिकों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखने और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए 24 जून को भोपाल के रवींद्र भवन में राज्य स्तरीय साइबर जागरूकता अभियान 'सेफ क्लिक 2.0' का शुभारंभ करेंगे। मप्र पुलिस के इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन, विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति जागरूक करना है, जिससे वे सुरक्षित साइबर व्यवहार अपना सकें। कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा और बाल संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। साथ ही स्कूली बच्चों में डिजिटल सुरक्षा के प्रति समझ विकसित करने के उद्देश्य से तैयार की गई एक विशेष साइबर जागरूकता बुकलेट और 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के जागरूकता वीडियो का विमोचन भी किया जाएगा।

अच्छी खबर वित्त ने छत्तीसगढ़ शासन को लिखा पत्र, मौजूदा साल से ही रिटायर्ड सेवकों को मिल सकती है राहत, धारा 49 की होगी समाप्ति

पेंशनरों के लिए डीआर में छत्तीसगढ़ से सहमति की बाध्यता खत्म होगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

पिछले तीन दशक से डीआर (डियरनेस एलाउंस) जैसी सुविधा में छत्तीसगढ़ की जिस धारा 49 की रिटायर्ड सेवक पीड़ा झेल रहे हैं। उनके लिए राहत भरी व अच्छी खबर आई है।

जानकारी है कि यह आर्टिकल समाप्त होगा। इसके लिए शासन के वित्त विभाग ने पड़ोसी राज्य की सरकार को पत्र लिखा। साल 2000 के दौरान छत्तीसगढ़ मप्र से विभाजित होकर अलग राज्य बना था। तब सभी प्रशासनिक व्यवस्थाओं का बंटवारा हुआ था। सिर्फ रिटायर्ड कर्मचारियों को मिलने वाली डीए जैसी प्रमुख सुविधा का निर्धारण नहीं हुआ। इसी से संबंधित आर्टिकल पेंशनरों को परेशान करता आ रहा है। अब दिक्कत यह है कि जब भी केन्द्र सरकार अपने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाती है। तब नियम के अनुसार राज्य में भी यह सुविधा मिलती है। शासकीय कर्मचारियों के लिए तो समय पर आदेश जारी हो रहे हैं, लेकिन सेवानिवृत्तों के लिए मामला उलझ रहा है। इन्हें तभी केन्द्रीय तिथि से डीआर मिलेगा जब धारा 49 के तहत छत्तीसगढ़ इस पर सहमति प्रदान करे।

■ **पांच से लेकर 6 माह प्रतीक्षा:** राज्य में साढ़े चार लाख से ज्यादा पेंशनर्स हैं। पिछले पांच साल का आंकड़ा देखें तो इस अवधि में रिटायर्ड सेवकों को महंगाई राहत में लंबा इंतजार करना पड़ा है। पांच से लेकर 6 माह तक की प्रतीक्षा करनी पड़ी। तब कहीं इन्हें महंगाई भत्ता मिल पाया है। पेंशनर्स ही आरोप लगाते हैं कि इस अंतराल के जो एरियर्स की राशि है। उसका भुगतान होने की बजाय उसे राजकोष में हजम किया गया है। रिटायर्ड कर्मचारियों का कहना है कि उनका 3800 करोड़ का एरियर्स शासकीय खजाने में पच गया है।

■ **वित्त विभाग का नहीं मिला साथ:** रिटायर्ड कर्मचारियों का आरोप है कि अगर उन्हें यह परेशान उठानी पड़ रही है तो इसके पीछे वित्त और सामान्य प्रशासन विभाग की सबसे बड़ी अनदेखी है। साल 2016 के दौरान जब छत्तीसगढ़ सरकार में रमनसिंह मुख्यमंत्री थे। तब उन्होंने स्थाई सहमति के लिए मप्र शासन को पत्र लिखा था। इसमें उल्लेख था कि छत्तीसगढ़ डीआर के लिए शर्त हटाने हेतु सहमत है। मप्र सरकार भी इसमें अपनी सहमति दे। लेकिन मप्र में वित्त और सामान्य प्रशासन विभाग के अफसर लिखित में कोई आदेश जारी नहीं कर पाये।

इनका कहना

हम कोर्ट गये। कोर्ट ने डिसीजन हमारे पक्ष में दिया कि डीआर में छत्तीसगढ़ की सहमति की जरूरत नहीं है। इसके बाद अब जाकर मप्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को सहमति की जरूरत न बताते हुए पत्र लिखा है।

■ **गणेदत्त जोशी,** प्रांताध्यक्ष मप्र पेंशनर्स एसोसिएशन

वित्त विभाग ने छत्तीसगढ़ शासन को पत्र लिखा है कि पेंशनरों को डीआर भुगतान में उसकी सहमति की जरूरत नहीं है। पड़ोसी राज्य की शर्त के कारण अभी तक 38 हजार करोड़ का एरियर्स राजकोष में पच चुका है।

■ **एसके शर्मा,** जिलाध्यक्ष मप्र पेंशनर्स एसोसिएशन

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।